साप्ताहिक

सबका जम्मू कश्मीर

आरएनआई न. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 22 • कठुआ, शनिवार 25 अक्टूबर 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रूपए

रक्षा मंत्रालय ने 79,000 करोड़ रूपये के खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 23 अक्टूबर, 2025 को साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान लगभग 79,000 करोड़ रुपये की राशि के विभिन्न सेवाओं के प्रस्तावों को मंजूरी दी। भारतीय सेना के लिए, नाग मिसाइल सिस्टम (ट्रैक्ड) एमके–प्प (एनएएमआईएस), ग्राउंड बेस्ड मोबा. इल ईएलआईएनटी सिस्टम (जीबीएमईएस) और मैटेरियल हैंडलिंग क्रेन के साथ हाई मोबिलिटी व्हीकल्स (एचएमवी) की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई। एनएएमआईएस (ट्रैक्ड) की खरीद से भारतीय सेना की

दुश्मन के लड़ाकू वाहनों, बंकरों और अन्य क्षेत्रीय किलेबंदी को बेअसर करने की क्षमता बढ़ेगी, जबकि जीबीएमईएस दुश्मन के उत्सर्जकों की चौबीसों घंटे इलेक्ट्रॉनिक खुफिया जानकारी प्रदान करेगा। एचएमवी को शामिल करने से विविध भौगोलिक इलाकों में बलों को रसद सहायता में काफी सुधार होगा।

भारतीय नौसेना के लिए, लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स (एलपीडी), 30 मिमी नेवल सरफेस गन (एनएसजी), एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो (एएलडब्ल्यूटी), इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इंफ्रा–रेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और 76 मिमी सुपर रैपिड गन माउंट के लिए स्मार्ट गोला–बारूद की खरीद के लिए एओएन प्रदान किया गया था। एलपीडी की खरीद से भारतीय नौसेना को भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के साथ जल–थलचर संचालन करने में मदद मिलेगी। एलपीडी द्वारा प्रदान की गई एकीकृत समुद्री क्षमता भारतीय नौसेना को शांति अभियानों, मानवीय सहायता और आपदा राहत आदि में भी मदद करेगी। डीआरडीओ के नौसेना विज्ञान और तकनीकी प्रयोगशाला द्वारा स्वदेशी रूप से विक. सित एएलडब्ल्यूटी का शामिल होना पारंपरिक, परमाणु और छोटी

■ शेष पेज 2...

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के शरदकालीन सत्र केपहले दिन सीएम उमर ने पूर्व राज्यपाल और दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज जम्मू–कश्मीर विधानसभा के शरदकालीन सत्र के उद्घाटन अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पूर्व राज्यपाल, विधायकों और मंत्रियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवंगत नेताओं ने अपने–अपने तरीके से जन कल्याण में योगदान दिया। उन्होंने कहा, ष्हममें से कोई भी पूर्ण नहीं है; गलतियाँ अवश्यंभावी हैं, चाहे वे जानबूझकर की गई हों या अनजाने में।ष

मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि विधानसभा में भी संसद की तरह ही श्रद्धांजलि देने का संक्षिप्त प्रारूप अपनाया जाए। उन्होंने कहा, ष्हम राजनेता हैं और राजनीति अक्सर हमारे भाषणों में आ ही जाती है। लंबे भाषणों के बजाय संक्षेप में श्रद्धांजलि देना ज़्यादा उचित होगा। इस सुझाव का

■ शेष पेज 2...

केदारनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद

सबका जम्मू कश्मीर

रुद्रप्रयाग : उत्तराखंड के गढ़वाल हिमालय में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट गुरुवार को शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। अगले छह महीने तक भगवान केदारनाथ की पूजा उनके शीतकालीन प्रवास स्थल उखीमठ में होगी। बद्रीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के सूत्रों ने बताया कि विशेष पूजा के बाद सुबह साढ़े आठ बजे बाबा केदार के कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए गए। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, मंदिर समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में तीर्थ पुरोहित भी मौजूद रहे। कपाट बंद होने के बाद, भगवान केदारनाथ की पालकी विधि–विधान से ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर के लिए रवाना हुई। पालकी गुरुवार रात रामपुर में ठहरेगी और शुक्रवार को गुप्तकाशी पहुँचेगी, जहाँ से 25 अक्टूबर को अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओंक. ारेश्वर मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी।

■ शेष पेज 2...

नाबालिग केवल मुकदमा दायर करके नहीं, बल्कि आचरण से भी अनधिकृत संपत्ति बिक्री को अस्वीकार कर सकते हैं : सुप्रीम कोर्ट

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : नाबालिगों से जुड़े संपत्ति लेनदेन पर एक महत्वपूर्ण फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी है कि 18 वर्ष से कम आयु के लोगों को वयस्क होने पर, अदालत की मंजूरी के बिना अपने प्राकृतिक अभिभावकों द्वारा किए गए संपत्ति हस्तांतरण को अस्वीकार करने के लिए मुकदमा दायर करने की आवश्यकता नहीं है। 7 अक्टूबर को दिए गए फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नाबालिग, वयस्क होने पर, स्पष्ट और स्पष्ट आचरण के माध्यम से संपत्तियों के हस्तांतरण को अस्वीकार कर सकते हैं, जैसे कि स्वतंत्र रूप से बेचना या स्थानांतरित करना।

यह फैसला न्यायमूर्ति पंकज मिथल और प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने केएस शिवप्पा बनाम श्रीमती के नीलाम्मा के मामले में सुनाया। न्यायमूर्ति मिथल ने फैसला सुनाते हुए कहा, ष्यह सुरक्षित रूप से निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि नाबालिग के अभिभावक द्वारा निष्पादित शून्यकरणीय लेनदेन को नाबालिग द्वारा वयस्क होने पर समय के भीतर या तो शून्यकरणीय लेनदेन को रद्द करने के लिए मुकदमा दायर करके या अपने स्पष्ट आचरण से उसे अस्वीकार करके अस्वीकार और नजर. अंदाज किया जा सकता है। फैसले

■ शेष पेज 2...

पीडीपी ने स्पीकर से जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड के प्रस्ताव को विधानसभा के एजेंडे में शामिल करने का आग्रह किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के नेता वहीद पारा ने कहा कि जम्मू–कश्मीर वक्फ बोर्ड की बहाली और इसकी संरक्षकता मुत्त. हिद–ए–मजलिस–ए–उलेमा (एमएमयू) को हस्तांतरित करने की मांग वाला उनका प्रस्ताव विधानसभा में मतदान के दौरान गिरा दिया गया। पारा ने कहा कि पीडीपी औपचारिक रूप से स्पीकर अब्दुल रहीम राथर से आग्रह करेगी कि वह अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए प्रस्ताव को विधायी कार्य में शामिल करें। उन्होंने वक्फ को एक ष्संवेदनशील, आस्था से जुड़ा मुद्दा बताया, जिस पर बहस होनी चाहिए और स्थानीय धार्मिक नेतृत्व को वापस लौटाया जाना चाहिए।ष

ष्जम्मू–कश्मीर वक्फ बोर्ड को बहाल करने और उसकी देखरेख मुत्तहिद–ए–मजलिस–ए–उलेमा को सौंपने का हमारा प्रस्ताव विधानसभा में मतदान में गिर गया। हम स्पीकर एआर राथर साहब से औपचारिक रूप से आग्रह करेंगे कि वे अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए इसे विधायी कार्य में शामिल करें। वक्फ एक संवेदनशील, आस्था से जुड़ा मुद्दा है जिस पर बहस होनी चाहिए और मीरवाइज के नेतृत्व में स्थानीय धार्मिक नेतृत्व को वापस सौंपना चाहिए,ष पारा ने एक्स पर

■ शेष पेज 2...

त्योहारों के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तीन स्तरों पर निगरानी रखी जा रही है : रेल मंत्री

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ पर मंडल, जोनल और रेलवे बोर्ड स्तर पर नजर रखी जा रही है ताकि भीड़ को कुशलतापूर्वक और निर्बाध रूप से नियंत्रित किया जा

सके। यहां रेल भवन के वॉर रूम में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए वैष्णव ने कहा कि मंडल और जोन सीसीटीवी कैमरों की मदद से स्टेशनों पर यात्रियों के आगमन पर वास्तविक समय में नजर रख रहे हैं। रेलवे बोर्ड का वॉर रूम निगरानी के तीसरे स्तर के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि जिन प्रमुख स्टेशनों पर भारी

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

रक्षा मंत्रालय ने...

पनडुब्बियों को निशाना बनाने में सक्षम है।

भारतीय वायु सेना के लिए, सहयोगी लंबी दूरी लक्ष्य संतृप्ति/विनाश प्रणाली (सीएलआरटीएस/डीएस) और अन्य प्रस्तावों के लिए एओएन प्रदान किया गया। सीएलआरटीएस/डीएस में मिशन क्षेत्र में स्वचालित टेक–ऑफ, लैंडिंग, नेविगेशन, पता लगाने और पेलोड पहुँचाने की क्षमता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय नौसेना की ताकत देखी, जब उसकी निवारक मुद्रा ने पाकिस्तान को बंदरगाह या उसके तट के पास रहने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने नौसेना की युद्ध तत्परता की सराहना की।

शीर्ष नौसेना कमांडरों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की क्षमता का प्रतीक है और दुनिया के लिए यह संदेश है कि वह हर चुनौती का जवाब देने के लिए हमेशा तैयार है। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन के दौरान षनिवारक रुखß बनाने के लिए बल की सराहना की, जिसके कारण पाकिस्तान बंदरगाह या उसके तट के पास ही रहने को मजबूर हो गया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय नौसेना के युद्धक विमानवाहक समूह, पनडुब्बियों और विमानन परिसंपत्तियों को उत्तरी अरब सागर में तैनात किया गया था।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कराची सहित समुद्र और जमीन पर चुनिंदा लक्ष्यों पर हमला करने के लिए नौसेना बल पूरी तत्परता के साथ अग्रिम मोर्चे पर तैनात रहे। रक्षा मंत्री ने हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारतीय नौसेना की उपस्थिति को षमित्र देशों के लिए आरामß और षक्षेत्र को अस्थिर करने की कोशिश करने वालों के लिए असुविधाß का विषय बताया। उन्होंने नौसेना कमांडरों के सम्मेलन में कहा, षआईओआर समकालीन भूराजनीति का केंद्र बन गया है। यह अब निष्क्रिय नहीं रहा; यह प्रतिस्पर्धा और सहयोग का क्षेत्र बन गया है। सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना ने अपनी बहुआयामी क्षमताओं के माध्यम से इस क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, षपिछले छह महीनों में हमारे जहाजों, पनडुब्बियों और नौसेना के विमानों को अभूतपूर्व पैमाने पर तैनात किया गया है। इसके अलावा, हमारी नौसेना ने लगभग 335 व्यापारी जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया है, जो लगभग 1.2 मिलियन मीट्रिक टन माल के बराबर है और इसका व्यापार मूल्य 5.6 बिलियन अमरीकी डॉलर है।ß उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि भारत अब वैश्विक समुद्री अर्थव्यवस्था में एक विश्वसनीय और सक्षम भागीदार बन गया है।

रक्षा मंत्री ने तेजी से विकसित हो रहे विश्व के साथ तालमेल बिठाते हुए नौसेना की रणनीति और सोच को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा, षहमें तीन क्षेत्रों में मिलकर काम करना होगारू क्षमता, लोग और साझेदारी। क्षमता का अर्थ है प्रौद्योगिकी और ताकत; लोगों का अर्थ है नाविक और उनके परिवार; और साझेदारी का अर्थ है उद्योग, शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।ß उन्होंने कहा, षजब ये तीनों एक साथ आएंगे, तो हमारी नौसेना और भी अधिक विश्वसनीय और शक्तिशाली बल के रूप में उभरेगी।ß

सिंह ने स्वदेशी उपकरणों के माध्यम से अपनी क्षमताओं को बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के ध्वजवाहक के रूप में उभरने के लिए भारतीय नौसेना की सराहना की। उन्होंने कहा, षपिछले 10 वर्षों में, नौसेना के लगभग 67 प्रतिशत पूंजी अधिग्रहण अनुबंध भारतीय उद्योगों के साथ हुए हैं। यह साबित करता है कि हम अब केवल आयात पर निर्भर नहीं हैं।ß सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना 194 नवाचार और स्वदेशीकरण परियोजनाओं पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, षआज, हमारी नौसेना देश की आत्मनिर्भरता, नवाचार और औद्योगिक विकास में अग्रणी बन गई है।ß

जम्मू–कश्मीर विधानसभा...

स्वागत करते हुए, अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने कहा कि इस पर उचित विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, षजैसे हम आज उन्हें याद करते हैं, वैसे ही एक दिन हमें भी याद किया जाएगा। आइए हम उनके जीवन और सेवा से सीखें।ß

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जिन सभी नेताओं को याद किया जा रहा है, उन्होंने खुद को जनसेवा के लिए समर्पित कर दिया, चाहे वह निर्वाचित पद के माध्यम से हो या पार्टी से जुड़े होने के कारण। जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मलिक का एक लंबा सार्वजनिक जीवन रहा है, उन्होंने विभिन्न राज्यों में विधायक, मंत्री और राज्यपाल के रूप में कार्य किया। जीएम शाहीन को श्रद्धांजलि देते हुए, मुख्यमंत्री ने उन्हें एक साहसी नेता बताया, जिन्होंने एक बड़े बारूदी सुरंग विस्फोट में बच निकलने के बाद भी दृढ़ संकल्प के साथ लोगों की सेवा जारी रखी।

मुख्यमंत्री ने पूर्व विधायक मोहम्मद सुल्तान पंडितपुरी के निधन की सूचना विधानसभा सचिवालय को न देने के लिए संबंधित जिला प्रशासन की लापरवाही पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, षआपने इस चूक का संज्ञान लिया है और मुझे विश्वास है कि मुख्य सचिव ने भी इस पर कार्रवाई की होगी। संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा जाना चाहिए।ß

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि इतिहास हर नेता के कामों और फैसलों का आकलन करेगा। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता। जम्मू–कश्मीर विधानसभा सत्र के पहले दिन दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि देते हुए उमर ने कहा, षइतिहास इस बात का आकलन करेगा कि हमने इस दुनिया में क्या किया है। हम कोई फरिश्ता नहीं हैं। गलतियाँ हर कोई करता है। आज हम उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं और कल हमारी बारी होगी। हमारे जाने के बाद भी हमें इस सदन में याद किया जाएगा।ß

सत्र के दौरान, इस वर्ष दिवंगत हुए कम से कम सात राजनीतिक नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी नेताओं ने, चाहे वे किसी भी दल से जुड़े हों, महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा, षअगर किसी ने गलती की है, तो उसके कर्म इतिहास में दर्ज होंगे।ß उमर ने उपायुक्तों (डीसी) से भी आग्रह किया कि वे सरकार के निर्देशों को हल्के में न लें। उन्होंने आगे सुझाव दिया कि समय बचाने के लिए, कई नेताओं द्वारा अलग–अलग श्रद्धांजलि देने के बजाय, अध्यक्ष को पूरे सदन की ओर से एक समेकित श्रद्धांजलि अर्पित करनी चाहिए।

नाबालिग केवल...

में कहा गया कि विवादास्पद प्रश्न यह है कि क्या नाबालिगों के लिए यह आवश्यक था कि वे अपने प्राकृतिक अभिभावक द्वारा निष्पादित पहले के बिक्री विलेख को रद्द करने के लिए निर्धारित समय अवधि के भीतर वयस्क होने पर मुकदमा दायर करें।

पीठ ने कहा कि सवाल यह है कि क्या इस तरह के विक्रय पत्र को वयस्क होने के तीन साल के भीतर उनके आचरण के माध्यम से अस्वीकृत किया जा सकता है। सवालों के जवाब देने के लिए, पीठ ने हिंदू अल्पसंख्यक और संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा 7 और 8 का हवाला दिया और कहा, षप्रावधानों को सरलता से पढ़ने से यह स्पष्ट हो जाता है कि नाबालिग के प्राकृतिक अभिभावक को नाबालिग की अचल संपत्ति के किसी भी हिस्से को गिरवी रखने, बेचने, उपहार देने या अन्यथा हस्तांतरित करने या यहां तक कि ऐसी संपत्ति के किसी भी हिस्से को पांच साल से अधिक अवधि के लिए या नाबालिग के वयस्क होने की तारीख से एक वर्ष से अधिक की अवधि के लिए पट्टे पर देने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है, बिना अदालत की पूर्व अनुमति के।ß पीठ ने कहा, षइसलिए, अधिनियम की धारा 8 की उप–धारा (2) के तहत प्रदान किए गए किसी भी तरीके से नाबालिग की संपत्ति हस्तांतरित करने के लिए नाबालिग के अभिभावक के लिए अदालत की पूर्व अनुमति अनिवार्य है।ß

यह विवाद कर्नाटक के दावणगेरे के शामनूर गाँव में दो समीपवर्ती भूखंडों कृ संख्या 56 और 57 कृ को लेकर था, जिन्हें मूल रूप से 1971 में रुद्रप्पा नामक व्यक्ति ने अपने तीन नाबालिग बेटों कृ महारुद्रप्पा, बसवराज और मुंगेशप्पा कृ के नाम पर खरीदा था। जिला अदालत से पूर्व अनुमति लिए बिना, रुद्रप्पा ने ये भूखंड किसी तीसरे पक्ष को बेच दिए। भूखंड संख्या 56 को एसआई बिदारी को बेच दिया गया और बाद में 1983 में बीटी जयदेवम्मा ने इसे खरीद लिया। जीवित नाबालिगों के वयस्क होने के बाद, उन्होंने और उनकी माँ ने 1989 में वही भूखंड केएस शिवप्पा को बेच दिया।

जयदेवम्मा द्वारा स्वामित्व का दावा करते हुए दायर किया गया सिविल मुकदमा अंततः कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया गया, जिसने नाबालिगों के अपने स्वयं के बाद के विक्रय विलेख के माध्यम से अपने पिता की बिक्री को अस्वीकार करने के अधिकार को बरकरार रखा।

इसी तरह का लेनदेन प्लॉट संख्या 57 के साथ हुआ, जिसे रुद्रप्पा ने अदालत की अनुमति के बिना कृष्णजी राव को बेच दिया, जिन्होंने इसे 1993 में के. नीलाम्मा को बेच दिया। जीवित नाबालिगों ने वयस्क होने पर, उसी प्लॉट को के.एस. शिवप्पा को बेच दिया, जिन्होंने बाद में दोनों प्लॉटों को मिला दिया और एक घर बनाया। इसके बाद नीलम्मा ने स्वामित्व का दावा करते हुए दावणगेरे में अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश के समक्ष मामला दायर किया।

ट्रायल कोर्ट ने उसके मुकदमे को खारिज कर दिया, यह मानते हुए कि रुद्रप्पा द्वारा की गई बिक्री शून्यकरणीय थी और नाबालिगों द्वारा बाद में की गई बिक्री से वैध रूप से अस्वीकृत हो गई। हालांकि, 2005 में प्रथम अपीलीय अदालत और 2013 में उच्च न्यायालय दोनों ने इस निष्कर्ष को पलट दिया, यह मानते हुए कि चूंकि नाबालिगों ने अपने पिता के विक्रय विलेख को रद्द करने के लिए कोई औपचारिक मुक. दमा दायर नहीं किया था, इसलिए लेनदेन की पुष्टि हो गई। इसके बाद शिवप्पा ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। प्रावधानों का उल्लेख करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने दोहराया कि एक प्राकृतिक अभिभावक अदालत की पूर्व अनुमति के बिना नाबालिग की अचल संपत्ति को हस्तांतरित नहीं कर सकता है और ऐसा कोई भी लेनदेन नाबालिग के कहने पर शून्यकरणीय है।

हालांकि, पीठ ने स्पष्ट किया कि कानून में उस तरीके को निर्दिष्ट नहीं किया गया है जिसके द्वारा इस तरह के शून्यकरणीय लेनदेन को अस्वीकार किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति मिथल ने कहा कि एक नाबा. लिग, वयस्क होने पर, इस तरह के लेनदेन से बच सकता है या उसे अस्वीकार कर सकता है, या तो बिक्री विलेख को रद्द करने के लिए मुकदमा दायर करके या स्पष्ट और असंदिग्ध आचरण द्वारा, जैसे कि उसी संपत्ति की एक नई बिक्री को निष्पादित करना।

षहालांकि, इस प्रावधान में कहीं भी स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया गया है कि अदालत की अनुमति के बिना अभिभावक द्वारा नाबालिग की संपत्ति के निपटान का ऐसा लेन–देन किस प्रकार अमान्य होगा। नाबालिग द्वारा ऐसे लेन–देन को रद्द करने के लिए मुकदमा दायर करके या अपने आचरण से, अर्थात् निर्धारित समय के भीतर वयस्क होने पर स्वयं संपत्ति हस्तांतरित करके, ऐसे लेन–देन को टाला या अस्वीकार किया जा सकता है...,ß फैसले में कहा गया।

फैसले में कहा गया है कि आचरण द्वारा इस तरह के लेन–देन से बचना दो कारणों से स्वीकार्य प्रतीत होता है। षपहला, कभी–कभी नाबा. लिग को इस तरह के लेन–देन की जानकारी नहीं होती है और इस तरह वह कोई मुकदमा दायर करने की स्थिति में नहीं होता है; दूसरा, इस तरह का लेन–देन, यदि कोई हो, प्रभावी नहीं हुआ हो और संपत्ति में अधिकार प्राप्त करने वाले पक्ष के पास संपत्ति का कब्जा न हो, जिससे यह आभास होता है कि संपत्ति नाबालिग के हाथों में बरक. रार है, ऐसी स्थिति में भी, वयस्क होने पर नाबालिग मुकदमा दायर करना उचित नहीं समझ सकता है,ß फैसले में कहा गया है।

त्योहारों के...

भीड़ की उम्मीद है, उन पर लगातार नजर रखी जा रही है और जब भी यात्रियों की भीड़ बढ़ती है, तो संबंधित अधिकारी अतिरिक्त भीड़ नियंत्रण उपायों के साथ तत्काल कार्रवाई करते हैं। वार रूम में स्थापित एक बड़े मॉनिटर की ओर इशारा करते हुए, वैष्णव ने कहा कि सभी प्रमुख स्टेशनों पर रेल भवन से नजर रखी जा सकती है और विशेष और अन्य ट्रेनों के संचालन की भी वास्तविक समय में समीक्षा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर स्थायी होल्डिंग क्षेत्र त्योहारों के दौरान भीड़ को संभालने और भीड़ के प्रबंधन में उपयोगी साबित हुआ है।

वैष्णव ने कहा, ष16 रेलवे जोनों में 76 स्टेशनों की पहचान की गई है, जहां स्थायी होल्डिंग एरिया या तो बनाए जा रहे हैं या आने वाले समय में बनाए जाएंगे।ß इनमें से कुछ स्टेशन गया, दरभंगा, कानपुर, गुवाहाटी, जयपुर, भोपाल और मैसूरु हैं। विशेष ट्रेनों के देरी से चलने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर वैष्णव ने कहा कि पिछले 24 घंटों में केवल एक ट्रेन छह घंटे देरी से अपने गंतव्य पर पहुंची और रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी सभी विशेष ट्रेनों के चलने की स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

पीडीपी ने स्पीकर...

लिखा। यह अपील उस दिन की गई जिस दिन जम्मू–कश्मीर विधानसभा का नौ दिवसीय शरदकालीन सत्र शुरू हुआ।

इससे पहले, जम्मू–कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष ने पारा द्वारा पेश किए गए दो निजी सदस्य प्रस्तावों को स्वीकार किया था, जिनमें से एक में वक्फ बोर्ड की बहाली और इसका प्रबंधन एमएमयू को सौंपने की बात कही गई थी, जो हुर्रियत अध्यक्ष और कश्मीर के प्रमुख धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारूक की अध्यक्षता वाला एक धार्मिक समूह है।इससे पहले, जम्मू–कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष ने पारा द्वारा पेश किए गए दो निजी सदस्य प्रस्तावों को स्वीकार किया था, जिसमें से एक में वक्फ बोर्ड की बहाली और इसका प्रबंधन एमएमयू को सौंपने की बात कही गई थी, जो हुर्रियत अध्यक्ष और कश्मीर के प्रमुख धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारूक की अध्यक्षता वाला एक धार्मिक समूह है।

जम्मू–कश्मीर में विभिन्न विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करने वाले धार्मिक निकायों के एक समूह, एमएमयू का कहना है कि 2025 का वक्फ संशोधन अधिनियम धार्मिक निधियों पर मुसलमानों के नियंत्रण को कमज़ोर करता है और भेदभावपूर्ण प्रकृति का है। एमएमयू बार–बार दोहराता रहा है कि इन पवित्र निधियों पर मुसलमानों के नियंत्रण को कमज़ोर करने या उनके ऐतिहासिक संरक्षण को कम करने का कोई भी प्रयास षसमुदाय को अस्वीकार्यß है।

केदारनाथ मंदिर...

केदारनाथ मंदिर के कपाट अब अगले साल अप्रैल–मई में श्रद्धालुओं के लिए खुलेंगे। महाशिवरात्रि के पर्व पर तिथि और समय का निर्णय लिया जाएगा। धामी ने प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि और कल्याण की कामना की और कहा कि राज्य सरकार के सुनियोजित प्रयासों से इस बार चारधाम यात्रा सफल और सुचारू रही। उन्होंने तीर्थयात्रियों और पुजारियों से भी बातचीत की। धामी ने कहा कि इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के धाम केदारनाथ के दर्शन किए हैं।

उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती है, बल्कि देवभूमि उत्तराखंड को दुनिया भर में रहने वाले सनातन धर्मावलंबियों से भी जोड़ती है। धामी ने कहा, षइस वर्ष चारधाम यात्रा के लिए रिकॉर्ड संख्या में तीर्थयात्री पहुँचे। बाबा केदार की यात्रा अब सकुशल संपन्न हो गई है। बाबा का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, राज्य सरकार उत्तराखंड को सनातन धर्म की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में विकसित कर रही है।ß

विधायक अरविंद गुप्ता ने विश्व शक्ति पत्रिका का किया विमोचन - भारत को विश्व गुरू बनाने की दृष्टि पर डाला प्रकाश

सबका जम्मू कश्मीर

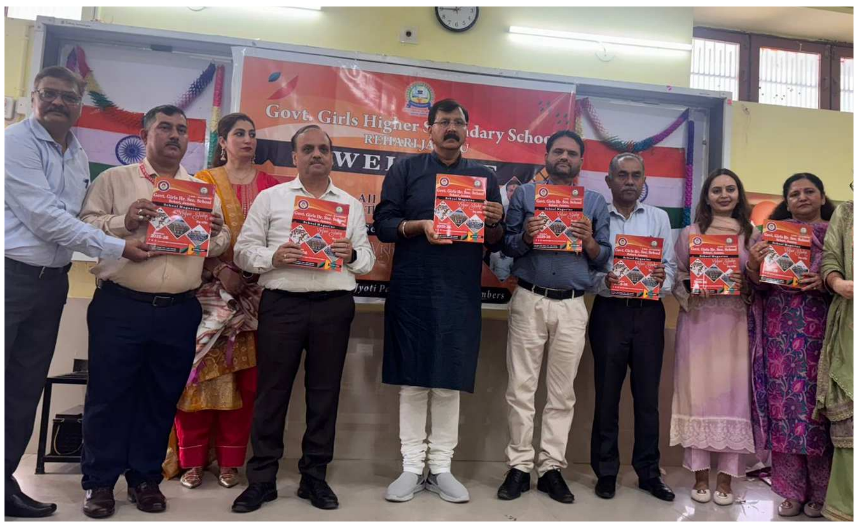

जम्मू, 17 अक्तूबर : जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता ने शुक्रवार को गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल रिहाड़ी में सत्र 2025 – 26 के लिए वार्षिक विद्यालय पत्रिका विश्व शक्ति का विमोचन किया।

यह पत्रिका विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और दूरदृष्टि को दर्शाती है, जो उनके शैक्षणिक उत्कृष्टता और कलात्मक अभिव्यक्ति का प्रतीक है।

इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी जम्मू अजीत शर्मा विद्यालय की प्रधानाचार्या ज्योति शास्त्री मंडल अध्यक्ष कुशांत प्रजापति समिति सदस्य भाऊ राम जंडियाल और अमित दत्ता सहित विद्यालय के शिक्षक व छात्र उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अरविंद गुप्ता ने विद्यालय प्रशासन और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा विश्व शक्ति शीर्षक भारत की उस क्षमता का प्रतीक है जो उसे एक सच्चे विश्व गुरु के रूप में स्थापित कर सकती है कृ ज्ञान संस्कृ ति और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनकर। हमारे युवा इस दृष्टि के वाहक हैं और शिक्षा ही उस दिशा में सबसे मजबूत आधार है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत का भविष्य तभी उज्जवल होगा जब विद्यार्थियों को संस्कार अनुशासन और डिजिटल साक्षरता से सशक्त किया जाएगा ताकि वे राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दे सकें।

इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी अजीत शर्मा ने विद्यालय प्रशासन को बधाई देते हुए कहा यह पत्रिका मात्र एक प्रकाशन नहीं बल्कि विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति रचनात्मकता और सीखने की यात्रा का दर्पण है। ऐसे प्रयास विद्यार्थियों में नेतृत्व और सर्वांगीण विकास की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

प्रधानाचार्या ज्योति शास्त्री ने अपने संबोधन में मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा हमारा उद्देश्य ऐसी शिक्षा प्रदान करना है जो पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक ज्ञान का संगम हो। विश्व शक्ति हमारे विद्यार्थियों के आत्मविश्वास बौद्धिक क्षमता और आकांक्षाओं का प्रतीक है।

कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों की सराहना और उत्साहवर्धन के साथ हुआ। पत्रिका विश्व शक्ति ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयास को दर्शाया जो एक प्रगतिशील और जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में सार्थक कदम है। यह समारोह भारत को ज्ञान नवाच. ार और संस्कृति की शक्ति के माध्यम से विश्व गुरु बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुआ।

पुलिस ने बारामूला में सिम कार्ड विक्रेताओं का औचक निरीक्षण किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : दूरसंचार सुरक्षा को मज़बूत करने और मोबाइल कनेक्टिविटी के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए एक निर्णायक कदम उठाते हुए, बारामूला पुलिस ने तंगमर्ग पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में सिम कार्ड विक्रेताओं का औचक निरीक्षण किया। इस अघोषित कार्रवाई का उद्देश्य अनिवार्य ष्अपने ग्राहक को जानेंष् (केवाईसी) मानदंडों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना और दूरसंचार विभाग (डीओटी) के दिशानिर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करना था।

जाँच टीमों ने किसी भी प्रक्रियागत चूक का पता लगाने के लिए विक्रेता के रिकॉर्ड, ग्राहक के दस्तावेज़ और अन्य संबंधित क्रेडेंशियल्स की गहन जाँच की। निरीक्षण के दौरान, कई विक्रेता कानूनी मानदंडों के अनुसार काम करते पाए गए, लेकिन कुछ विसंगतियाँ भी सामने आईं दृ जिनमें बिना वैध या पूर्ण पहचान के सिम कार्ड जारी किए जाने के मामले भी शामिल हैं। परिणामस्वरूप, संदिग्ध सिम कार्ड और उनसे संबंधित दस्तावेज़ ज़ब्त कर लिए गए, और मानदंडों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं पर संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके अतिरिक्त, मामूली प्रक्रियागत अनियमितताओं वाले विक्रेताओं को चेतावनी भी जारी की गई।

यह अभियान संचार नेटवर्क की सुरक्षा और आपराधिक या असामा. जिक तत्वों द्वारा दूरसंचार सुविधाओं के किसी भी दुरुपयोग को रोकने के लिए बारामूला पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अधिकारियों ने ज़ोर देकर कहा है कि निरंतर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए ऐसे निरीक्षण नियमित रूप से और बिना किसी पूर्व सूचना के किए जाएँगे। जम्मू-कश्मीर पुलिस नागरिकों से सतर्क रहने और केवल अधिकृत और सत्यापित माध्यमों से ही सिम कार्ड प्राप्त करने का आग्रह करती है, साथ ही विक्रेताओं को सख्त प्रक्रियात्मक अनुपालन बनाए रखने या कड़ी कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहने की चेता. वनी भी देती है।

भाजपा ने बडगाम में रणनीति बैठक की, समर्पण भाव से जनता की सेवा करने की प्रतिबद्धता दोहराई

सबका जम्मू कश्मीर

बडगाम : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जम्मू-कश्मीर महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने भाजपा महासचिव अनवर खान और पार्टी के बडगाम विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार आगा सैयद मोहसिन, वरिष्ठ नेताओं आरिफ राजा, मुदस्सिर वानी और गाजी हकीम रुहल्ला के साथ बडगाम के केजीएन होटल में आगामी बडगाम विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों पर चर्चा और उन्हें अंतिम रूप देने के लिए एक संगठनात्मक बैठक को संबोधित किया।

बैठक में बूथ स्तर की तैयारियों, लामबंदी रणनीतियों और क्षेत्र में भाजपा की जमीनी स्तर पर उपस्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से आउटरीच कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा हुई।

सभा को संबोधित करते हुए, अशोक कौल ने जम्मू-कश्मीर के लोगों की ईमानदारी, समर्पण और पारदर्शिता के साथ सेवा करने के भाजपा के अटूट संकल्प की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि भाजपा की यात्रा हमेशा जनसेवा और सुशासन पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि जहाँ भी भाजपा को जनादेश मिला है, हमने विकास, शांति और प्रगति लाने के लिए अथक प्रयास किया है।

कौल ने आगे कहा कि सभी क्षेत्रों में भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड जनता के प्रति हमारी समय-परीक्षित प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि बडगाम के लोग भी भाजपा के समावेशी विकास के दृष्टिकोण में अपना विश्वास बनाए रखेंगे।

अनवर खान ने मज़बूत संगठनात्मक एकता की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और कार्यकर्ताओं से आम लोगों से सीधे जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता बदलाव का संदेशवाहक है।

उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव केवल एक सीट जीतने के बारे में नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण के मिशन को मज़बूत करने और यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि बडगाम विकास का एक आदर्श बने।

श्रीनगर में चल रहे नशा विरोधी अभियान में पुलिस ने भारी मात्रा में नशीले पदार्थ जब्त किए; 6 ड्रग तस्कर गिरफ्तार

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : नशीली दवाओं के खिलाफ अपने प्रयासों में उल्लेखनीय वृद्धि करते हुए, श्रीनगर में पुलिस ने बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित नशीले पदार्थ जब्त किए हैं और नशीली दवाओं की तस्करी के संबंध में कई व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। शहर भर में समन्वित अभियानों की एक श्रृंखला में जब्ती की गई, जिसके परिणामस्वरूप कई एफआईआर दर्ज की गईं। नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों में प्रमुख बरामदगी में शामिल हैं; पुलिस स्टेशन शाल्टेंग ने दिलावर कॉलोनी, मुजगुंड में एक घर से 36. 770 किलोग्राम गांजा बरामद किया।

आरोपी व्यक्ति, स्वर्गीय अब्दुल रहमान डार के पुत्र जहांगीर अहमद डार और मोहम्मद रफीक डार को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 75/2025 के तहत गिरफ्तार किया गया है ड्रग पेडलर को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया, पुलिस स्टेशन पंथाचौक ने बलहामा के मकसूद अहमद मीर से भारी मात्रा में क्लोनाज़ेपम – प्रतिबंधित साइकोट्रोपिक दवा – जब्त की।

आरोपी व्यक्ति को एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 78/2025 के तहत गिरफ्तार किया गया है, पुलिस स्टेशन नौगाम ने गनी मोहल्ला, वागूरा के खजीर मोहम्मद शेख से तीन चावल के बैग में छुपाए गए 16 किलोग्राम चरस बरामद किए।

इस संबंध में, एफआईआर संख्या 155/2025 यू/एस 8/20 एनडीपीएस अधिनियम पंजीकृत है और ड्रग पेडलर को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसी तरह, एफआईआर संख्या 156/2025 के मामले में, मेहराज-उद, दीन गनी, निवासी गनी मोहल्ला, वागूरा को नीले प्लास्टिक के ड्रम में संग्रहीत 15 किलोग्राम चरस पाउडर के साथ गिरफ्तार किया गया। इस मामले में ड्रग तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सभी छह व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है ताकि आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाया जा सके। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ड्रग तस्करी नेटवर्क को खत्म करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है और जनता से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने का आह्वान किया है।

एसडीपीओ तंगमर्ग ने जमीनी स्तर पर पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जमीनी स्तर पर पुलिसिंग को मज़बूत करने और कानून के राज को सुदृढ़ करने के एक निर्णायक कदम के रूप में, एसडीपीओ तंगमर्ग की अध्यक्षता में पुलिस स्टेशन कुन्ज़र में एक उप-मंडल अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में थाना कुन्ज़र, थाना तंगमर्ग, थाना गुलमर्ग और संबद्ध चौकियों सहित उप-मंडल के सभी पुलिस प्रतिष्ठानों के थाना प्रभारी और प्रभारी एकत्रित हुए। मुख्य एजेंडा वर्तमान अपराध परिदृश्य, परिचालन चुनौतियों और आने वाले हफ्तों के लिए रणनीतिक योजना के विस्तृत मूल्यांकन पर केंद्रित था। बैठक के दौरान, एसडीपीओ तंगमर्ग ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे जन-केंद्रित पुलिसिंग मॉडल को बनाए रखते हुए, नशीली दवाओं के दुरुपयोग और आपराधिक तत्वों के प्रति शून्य-सहिष्णुता का दृष्टिकोण अपनाएँ। उन्होंने पुलिसिंग के हर पहलू में दृश्यता, सुगमता और नैतिक आचरण के महत्व पर ज़ोर दिया। अधिकारियों को नागरिक समाज के साथ तालमेल बनाए रखने, त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र सुनिश्चित करने, तथा बढ़ी हुई सतर्कता और सक्रिय पहुंच के माध्यम से अपराध मुक्त वातावरण बनाने के बारे में भी जानकारी दी गई। बैठक का समापन जनता के विश्वास को बनाए रखने, समय पर न्याय प्रदान करने, तथा यह सुनिश्चित करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ कि कानून प्रवर्तन कार्रवाई में दृढ़ और दृष्टिकोण में निष्पक्ष रहे।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

आरबीए कोटा में कटौती कश्मीरियों को कमजोर करने की सोची-समझी चाल : पीडीपी विधायक पारा ने सीएम की आलोचना की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : पीडीपी विधायक वहीद पारा ने शुक्रवार को कहा कि आरबीए कोटा में कटौती करने का जम्मू–कश्मीर सरकार का फैसला कश्मीरियों को कमजोर करने का एक सोचा–समझा प्रयास है।

पुलवामा के विधायक ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर ष्अशक्तिकरण एजेंडाष् को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया और कहा कि पिछड़े क्षेत्रों के निवासियों (आरबीए) का कोटा कश्म. ीरी प्रतिनिधित्व की रक्षा करता है।

पारा ने एक्स पर कहा, जम्मू–कश्मीर सरकार की कैबिनेट उप–समिति द्वारा श्युक्तिकरणश की आड़ में आरबीए कोटा में कटौती करने का निर्णय कश्मीरियों को शक्तिहीन करने का एक सोचा–समझा प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को कहा कि कैबिनेट ने आरक्षण पर उप–समिति की रिपोर्ट स्वीकार

कर ली है, जिसे मंजूरी के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पास भेजा जाएगा। हालाँकि, रिपोर्ट की विषय–वस्तु के बारे में कुछ नहीं बताया गया। पिछले साल 10 दिसंबर को सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ उम्मीदवारों के विभिन्न वर्गों द्वारा उठाई गई शिकायतों पर गौर करने के लिए कैबिनेट उप–समिति का गठन किया था। पारा ने कहा, ष्इसका समर्थन करके /व्उंत।इकनससी समानता की रक्षा नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे शक्तिहीनता के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। एक अन्य पोस्ट में पारा ने कैबिनेट उप–समिति की रिपोर्ट तत्काल जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा, कश्मीरियों ने उमर अब्दुल्ला को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए ऐतिहासिक जनादेश दिया था — फिर भी वह दशकों के सबसे कश्मीरी विरोधी फैसले के साथ खड़े हैं।

नया आरक्षण ढांचा कश्मीरी प्रतिनिधित्व को कमज़ोर करने की एक राजनीतिक परियोजना है। हम उप–कैबिनेट समिति की रिपोर्ट तुरंत जारी करने की मांग करते हैं।

पीडीपी विधायक ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने कश्मीरी सशक्तिकरण का मिशन शुरू किया था, लेकिन अब ष्उनकी अपनी पार्टी द्वारा ही इसे पलटकर भाजपा द्वारा संचालित अवैध आरक्षण नीति का बचाव किया जा रहा है।

राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए आयातित प्रौद्योगिकियों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता : राजनाथ

सबका जम्मू कश्मीर

पुणे : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि कुछ देश संरक्षणवादी नीतियां अपनाते हैं और कभी–कभी विघटनकारी प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी रोकते हैं, वहीं भारत ने इन बाधाओं को सफलतापूर्वक चुनौती दी है और साबित किया है कि अगर इरादे साफ हों तो कोई भी देश किसी भी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है , बल्कि इसे इस क्षेत्र में वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

उन्होंने कहा कि भारत को न केवल प्रौद्योगिकी का उपयोगकर्ता होना चाहिए, बल्कि इसका निर्माता भी होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अपनी जरूरतों को पूरा करने के अलावा, देश एक विश्वसनीय रक्षा साझेदार भी बन रहा है।

रक्षा मंत्रालय की सलाहकार समिति के दौरे के दौरान बोल रहे थे , जिसका नेतृत्व उन्होंने किया था। यह दौरा शहर स्थित आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई) का था, जो आयुध एवं लड़ाकू इंजीनियरिंग प्रणाली (एसीई) क्लस्टर के तत्वावधान में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की एक प्रमुख प्रयोगशाला है। इस दौरे के दौरान, समिति ने क्लस्टर की विभिन्न प्रयोगशालाओं. द्वारा विकसित अत्याधुनिक उत्पादों का निरीक्षण किया। प्रदर्शित उत्पादों में उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम, पिनाका रॉकेट सिस्टम, हल्का टैंक श ज़ोरावर श, पहिएदार बख्तरबंद प्लेटफॉर्म और आकाश–नई पीढ़ी की मिसाइल शामिल हैं।

समिति को रोबोटिक्स, रेल गन, विद्युत चुम्बकीय विमान प्रक्षेपण प्रणाली, उच्च ऊर्जा प्रणोदन सामग्री आदि के क्षेत्र में विकसित की जा रही प्रौद्योगिकियों की स्थिति से भी अवगत कराया गया। क्लस्टर का विस्तृत भविष्य का रोडमैप भी प्रस्तुत किया गया।

श्उभरती प्रौद्योगिकियां और डीआरडीओश विषय पर बैठक को संबो. धित करते हुए सिंह ने रक्षा क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन और युद्ध की बदलती प्रकृति को समझने और उसके अनुसार ढलने की आवश्यकता पर बल दिया।

केंद्र ने 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा की जांच सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज से कराने का आदेश दिया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : केंद्र ने शुक्रवार को लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसक झड़पों की सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच की घोषणा करके प्रदर्शनकारी लद्दाख समूहों की एक प्रमुख मांग को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाया। इस झड़प में 1999 के कारगिल युद्ध के एक पूर्व सैनिक सहित चार लोगों की जान चली गई थी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.एस. चौहान की अध्यक्षता में न्यायिक जांच का कार्य "गंभीर कानून व्यवस्था की स्थिति, पुलिस कार्रवाई और परिणामस्वरूप चार लोगों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत" के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों की जांच करना है।

सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहन सिंह परिहार न्यायिक सचिव के रूप में कार्य करेंगे, जबकि आईएएस अधिकारी तुषार आनंद जांच आयोग के प्रशासनिक सचिव होंगे।

24 सितम्बर को सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में चार नागरिक मारे गए और 90 घायल हो गए, जिससे महीनों से चल रहा आंदोलन और उग्र हो गया। ये प्रदर्शनकारी केंद्र शासित प्रदेश के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा मांग रहे थे।

जांच का नेतृत्व करने के लिए एक सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की नियुक्ति, स्थानीय समूहों द्वारा उच्च स्तरीय, निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग को सीधे संबो. धित करती है।

जांच की घोषणा चल रहे आंदोलन के प्रति. निधियों, लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ बातचीत बहाल करने के प्रयास के रूप में की गई है, जिन्होंने हिंसा के बाद गृह मंत्रालय की उच्चस्तरीय समिति (एचपीसी) के साथ बातचीत स्थगित कर दी थी।

एचपीसी के साथ वार्ता 6 अक्टूबर को निर्धारित थी, लेकिन लद्दाख प्रशासन द्वारा हिंसा और दमन के बाद, लेह और करील समूहों ने गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए सभी लोगों की तत्काल रिहाई की मांग की, जिसमें जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल थे, जिन पर कठोर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत आरोप लगाए गए थे और घटना के दो दिन बाद उन्हें जोधपुर जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था।

एनएसए केंद्र और राज्यों को व्यक्तियों को हिरासत में लेने का अधिकार देता है ताकि उन्हें ष्भारत की रक्षा के लिए हानिकारकष् कार्य करने से रोका जा सके। अधिकतम हिरासत अवधि 12 महीने है, हालाँकि इसे स्थानीय प्रशासन द्वारा पहले भी रद्द किया जा सकता है और उच्च न्यायालय के किसी पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले बोर्ड द्वारा इसकी पुष्टि की जानी आवश्यक है। समूहों ने स्थानीय युवाओं और नागरिक समाज के सदस्यों के खिलाफ स्थानीय प्रशासन और पुलिस द्वारा कथित उत्पीड़न, समन और दबाव की रणनीति को समाप्त करने की भी मांग की।

न्यायिक जांच के लिए उठाए गए नए कदम से एच.पी.सी. के साथ बातचीत फिर से शुरू होने का रास्ता साफ होने की संभावना है।

अपने बयान में गृह मंत्रालय ने निरंतर बात. चीत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बयान में कहा गया है, ष्सरकार हमेशा किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार रही है, और वह लद्दाख पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति या ऐसे किसी भी मंच के माध्यम से शीर्ष निकाय लेह (एबीएल) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ चर्चा का स्वागत करती रहेगी।ष्

बयान में कहा गया, ष्हमें विश्वास है कि निरंतर बातचीत से निकट भविष्य में वांछित परिणाम प्राप्त होंगे। सरकार लद्दाख के लोगा. ें की आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्ध है। एचपीसी के साथ चर्चा के एजेंडे में मुख्य मुद्दे एबीएल और केडीए की मुख्य मांगें हैं, जो 2019 में बनाए गए केंद्र शासित प्रदेश के लिए संवैधानिक सुरक्षा और अधिक राजनीतिक स्वायत्तता की मांग करती हैं।

कर्नल महान सिंह ने भड्डू में प्रधानमंत्री मोदी के जीवन पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जिला विकास परिषद (डीडीसी) के अध्यक्ष कठुआ, कर्नल महान सिंह (सेवानिवृत्त), भाजपा पहाड़ी जिला अध्यक्ष गोपाल कृष्ण के साथ, आज सामुदायिक सुविधा केंद्र (सीएफसी) भड्डू में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन और यात्रा को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में इंजीनियर बिक्रम सिंह, डीडीसी सदस्य, ओमक. ांत बसोत्रा, पूर्व अध्यक्ष एमसी बिलावर और सुरेश सपोलिया और वरिंदर शर्मा सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। कर्नल महान सिंह का राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (जीएचएसएस) भड्डू में पहुं. चने पर प्रधानाचार्य मोहिंदर गुप्ता, शिक्षक समुदाय के सदस्यों और छात्रों द्वारा उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। डीडीसी अध्यक्ष ने बाद में स्कूल द्वारा नशीली दवाओं के खतरे और महिला सशक्तिकरण पर आयोजित एक बहस की अध्यक्षता की, जिसमें छात्रों को सामाजिक मुद्दों और सामुदायिक निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अपने दौरे के दौरान, कर्नल महान ने डॉ. शांति यादव पुस्तकालय और विद्यालय पुस्तकालय का निरीक्षण किया, साथ ही संस्थान में उपलब्ध विभिन्न शिक्षण सुविधाओं और बुनियादी ढाँचे का भी जायज़ा लिया। उन्होंने वाद–विवाद में छात्रों की बड़ी भागीदारी की सराहना की और उनके आत्मविश्वास और जागरूकता की सराहना की। इस अवसर पर बोलते हुए, कर्नल महान सिंह ने कहा, ष्आज के छात्र कल के नागरिक हैं। यह आवश्यक है कि वे अपने भविष्य की मज़बूत नींव रखने के लिए शिक्षा, कौशल विकास और अनुशासन पर ध्यान केंद्रित करें।

विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा सत्र पूर्व वार्ता में मीडियाकर्मियों से बातचीत की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर विधानसभा (जेकेएलए) के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने आगामी विधानसभा सत्र के सुचारू और कुशल कवरेज की सुविधा के लिए आज विधानसभा सचिवालय में विभिन्न समाचार संगठनों के मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत की।

बातचीत के दौरान, अध्यक्ष राठेर ने मीडियाकर्मियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर मीडिया बिरादरी के साथ विस्तृत चर्चा की और आगामी सत्र के दौरान उनके कार्य वातावरण को बेहतर बनाने हेतु अतिरिक्त आवश्यकताओं की पहचान की। विचार–विमर्श में विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों के लिए निर्बाध प्रवेश सुनिश्चित करने और सत्र की सुचारू कवरेज के लिए उनकी सुविधा पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

अध्यक्ष ने पारदर्शिता बनाए रखने और विधायी कार्यवाहियों पर सूचित सार्वजनिक संवाद को बढ़ावा देने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मीडिया जनता और विधायिका के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का काम करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नागरिक जम्मू–कश्मीर में शासन को आकार देने वाली नीतियों, चर्चाओं और निर्णयों से अवगत रहें।

जन मुद्दों को उजागर करने में मीडिया के महत्व को स्वीकार करते हुए, अध्यक्ष ने सत्र की संतुलित और ज़िम्मेदार रिपोर्टिंग के लिए मीडिया घरानों से सहयोग का अनुरोध किया।

उन्होंने विधायी चर्चाओं में पारदर्शिता और जन जागरूकता सुनिश्चित करने में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया और उन्हें अपने पेशेवर कार्यों के निर्वहन में जनहित को सर्वोपरि रखने की सलाह दी।

राजनैतिक व्यंग्य-समागम : दीपोत्सव में बुलडोज़र

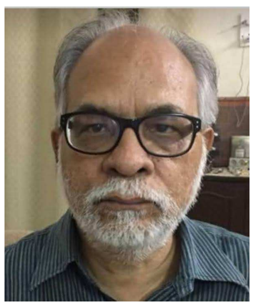

राजेंद्र शर्मा

रात के तीसरे पहर में, अचानक आदित्यनाथ की आंख खुल गयी। बेशक, नींद भी उन्हें भगवा वेश में ही अच्छी आती थी, लेकिन नींद कहां कोई वेश देखती है। सो अच्छे खासे योगी के आसन से खिसक कर, साधारण मनुष्यों की योनि में आ पड़े थे। ऊपर से बीच रात में नींद खुलने की दुर्घटना।

फिर भी आदित्यनाथ ने नींद को वापस बुलाने की कोशिश में आंखें और कस के बंद कर लीं। पर सुख शैया के बगल से आती कदमों की–सी आवाज ने उनकी चिंता जगा दी। शयनागार में कोई है, क्या? एनकाउंटर वालों के भूत क्या अब शयनागार तक पहुंच गए, योगी को परेशान करने के लिए।

फिर खुद को तसल्ली देने की कोशिश करने लगेदृ मुसलमानों के भूत थोड़े ही होते होंगे! पर तभी लगा कि कोई उनके सिर पर हल्के–हल्के हाथ फेर रहा है। एकदम हड़बड़ा कर उठकर बैठ गए। पर आंखें एक ही झटके में खुलीं और फटी की फटी रह गयीं। और कोई नहीं, साक्षात लक्ष्मी जी उनके आवास पर पधारी थीं और सिर पर हाथ फेरकर बिन मांगे आशीर्वाद जैसा दे रही थीं।

आदित्यनाथ के हाथ खुद ब खुद लक्ष्मी जी के चरणों की ओर बढ़े, पर सहसा उन्हें अपने भगवा वेश का ध्यान आ गया और रुक गए। योगी कैसे किसी के पांव छू सकता है? दूर से ही हाथ जोड़ दिएदृ माते मेरे धन्यभाग्य, जो आपने स्वयं दर्शन दिए और वह भी दीपावली पर। मेरी दीवाली सार्थक हो गयी। सेवक के लिए कोई आज्ञा, आदेश? आपने क्यों कष्ट किया और वह भी आधी रात में। आप का तो बस इशारा करना काफी था, सेवक आज्ञा पूरी कर देता। गोरख पीठ की गद्दी जरूर संभालता हूं, लेकिन पुराने टाइप का गोरखपंथी नहीं हूं। हिंदू देवी–देवताओं के लिए मेरे मन में पूरा सम्मान है। तभी तो अयोध्या में रामलला की वापसी से शुरू कर के, मोदी जी के नेतृत्व में राम–राज्य लाने में लगा हूं। अब तो हम हिंदुओं से भी आगे बढ़कर, सनातनी हैं बल्कि सनातनियों के बाबा। आप तो बस आदेश करें!

पर लक्ष्मी जी को कुछ खटक रहा था। पांव नहीं छुए न सही, पर स्वागत में भी जुमलेबाजी! फिर भी खुद को समझा लियादृ त्योहार के मौके पर कोई नेगेटिविटी नहीं! कहने लगींदृ आज्ञा–वाज्ञा कोई नहीं है। मैं तो वैसे ही चली आयी, तुम लोगों की दीवाली देखने। तुम्हारी अयोध्या की दीवाली के किस्से अब स्वर्गलोक तक में सुनाए जा रहे हैं। दूसरे देवी–देवता मुझसे ईर्ष्या भी महसूस करने लगे हैं। कहते हैं कि मोदी–योगी के नये भारत में कहने को तो हिंदू राज है, पर मौज सिर्फ एक देवता और एक देवी की है। एक रामलला, जिनकी पांच सौ वर्ष के वनवास के बाद घर वापसी हुई है। और एक ये लक्ष्मी जी, जिनकी दीवाली साल दर साल नये वर्ल्ड रिकार्ड बना रही है और पुराने तोड़े जा रही है। बाकी सब तो बस ये भी हैं में भुगताए जा रहे हैं। सो मैंने सोचा, मैं भी जाकर इस बार जरा नजदीक से तुम्हारा दीपोत्सव देख लूं।

अब आदित्यनाथ का सनातनी योगी पूरी तरह से जागृत हो गया और सीएम सो गया। बखान करने लगे कि वैसे तो नौ साल से हर दीपोत्सव आप की कृपा से खास ही रहा है, पर इस बार का दीपोत्सव सबसे बढक़र है। इस बार 26 लाख दिए एक साथ अयोध्या के 56 घाटों पर जलाए जाएंगे। 26 लाख दियों के लिए, 55 लाख बातियां रहेंगी यानी हर दिए में दो बातियां। एक दिया, दो लौ। 33 हजार वालंटियर दिए लगाने के लिए जुटाए गए हैं। दूर–पास के सब स्कूल, कालेज, विश्व विद्यालय बंद करा दिए गए हैं और छात्र इस असली पढ़ाई में लगाए गए हैं। देवी को प्रसन्न करने के लिए बलिदान भी तो जरूरी है।

वैसे भी इस बार, अयोध्या में दीवाली का जश्न एक दिन नहीं, दो दिन नहीं, पूरे चार दिन चलेगा। दीपोत्सव होगा सो होगा, लेज़र शो भी होगा। विशेष आरती भी। और भी बहुत कुछ। दो दिन पहले से, एक दिन बाद तक, हफ्ते भर टीवी पर यही, यही रहेगा। सारी दुनिया देखेगी। स्वर्ग लोक तक कुछ न कुछ प्रसारण तो पहुंचेगा ही। खैर! आप तो अयोध्या चलकर सब अपनी आंखों से देख लें। और हां! एक बात तो बताना ही भूल गया, 26 लाख दीयों में हम 73,000 लीटर तेल का उपयोग करेंगे।

पर अयोध्या जाने का वचन देने के बजाए, लक्ष्मी जी तेल वाली बात से दुविधा में पड़ गयीं। कुछ सोच–विचार के बाद बोलीं दृ बाकी तो सब बड़ा ही भव्य और दिव्य है। बस तुम्हारे अयोध्या वाले दीपोत्सव में एक ही बात खटकने वाली है। वो जो दीवाली के अगले दिन गरीब वयस्क तो वयस्क, छोटे–छोटे बच्चे भी जले हुए दियों में बचा हुआ तेल, प्लास्टिक की बोतलों में इकठ्ठा करते हर दीपोत्सव के बाद कैमरों में दर्ज हो जाते हैं और खुश हो–होकर बताते भी हैं कि इस तेल से उनके घर पर कितने दिन भाजी–तरकारी बनेगी, उससे मुझे दुख होता है। योगी ने अधीर होकर कहा दृ पर प्राब्लम क्या है? उतना तेल मेरी तरफ से गरीबों के लिए दीवाली गिफ्ट समझ लीजिए। वो भी क्या याद रखेंगे!

लक्ष्मी जी समझाने लगीं, ये बहुत बैड पब्लिसिटी है। तुम्हारी ही नहीं मेरी भी। बाकी देवी–देवता ताने मारते हैं दृ दीवाली पर एक दिन कृपा बरसायी जा रही है और वह भी न जाने कहां पर ; आम पब्लिक तो सूखी की सूखी रह जाती है।

योगी जी को बात समझ में आयी। बोलेदृ यह तो मेरे ध्यान में आया ही नहीं। पर क्या करें? ऐसा करते हैं कि कैमरे वालों की नकेल और टाइट कर देते हैं। सिर्फ दीपोत्सव दिखाएं, उसके बाद वाला तेल संग्रहोत्सव नहीं। लक्ष्मी जी ने आशंका जतायी दृ यह सख्ती काम करेगी, लगता नहीं है।

कहीं न कहीं से तस्वीर निकल ही आएगी। योगी जी ने कहा दृ मेरे पास उसका उपाय है।

हम सख्ती का लेवल और ऊंचा कर देंगे। दीपोत्सव के बाद फोटोग्राफरों को अयोध्या के घाटों पर फटकने ही नहीं देंगे। सैटेलाइट से तो दियों से तेल इकठ्ठा करते बच्चे दिखाई नहीं ही देंगे। न खिंचेगी फोटो, न किसी को दिखेगा तेल संग्रहोत्सव!

लक्ष्मी जी फिर भी आश्वस्त नहीं दिखाई दीं, तो योगी जी ने सख्ती का आइडिया और सख्त कर दिया। कहने लगे, दीपोत्सव के फोटो वगैरह खिंचने के फौरन बाद, अयोध्या में कर्फ्यू लगा दें तो। न कोई घर से बाहर निकलेगा और न कोई दियों का तेल इकठ्ठा करेगा!

लक्ष्मी जी ने समझाने की कोशिश की दृ इससे तो आसान है कि दिए चाहे छह लाख कम जलाएं, पर उतने दियों का तेल अयोध्या के गरीबों को सीधे रसोई में उपयोग के लिए बांट दें। आपकी तरफ से दीवाली गिफ्ट भी हो जाएगा और आपके दीपोत्सव पर हर बार लगने वाला दाग भी मिट जाएगा। योगी जी चिंहुक के बोलेदृ और वर्ल्ड रिकार्ड का क्या? दिए तो 26 लाख ही जलेंगे और तेल भी 75 हजार लीटर। वर्ल्ड रिकार्ड पर अपना दावा हम हर्गिज नहीं छोड़ सकते, वर्ना हम विश्व गुरु कैसे बनेंगे। वैसे भी हम मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के खिलाफ हैं और यूपी में चुनाव भी अभी दूर हैं। पर आपकी बात भी ठीक है, तेल संग्रहोत्सव को रोकने के उपाय करना भी जरूरी है। वैसे शहर में कर्फ्यू से भी कम खर्चीला, फिर भी ज्यादा कारगर उपाय भी मेरे दिमाग में आ रहा है। दीपोत्सव का रिकार्ड बनने के फौरन बाद, बुलडोजर चला कर सारे दीयों को मिट्टी में मिला देते हैं। न रहेंगे दिए और न होंगे दियों से तेल इकठ्ठा करने वाले।

बुलडोजर शब्द जुबान पर आते ही, आदित्यनाथ के शरीर में जोश की कंपकपी दौड़ गयी और नींद सचमुच खुल गयी।

एक मिनट तो उन्हें यह समझने में लगा कि लक्ष्मी जी सपने में ही उनके पास आयी थीं। फिर फौरन अपने मुख्य सचिव को नींद से उठवाकर फोन पर आदेश दे दिया दृ सारे बुलडोजर अयोध्या की ओर कूच करें!

’(व्यंग्यकार वरिष्ठ पत्रकार और लोक लहर के संपादक हैं।)’

विकास ही विकास, एक बार चुन तो लें!

विष्णु नागर’

एक वीडियो– पत्रकार चुनाव कवरेज के लिए बिहार के लखीसराय के किसी गांव में पहुंचा। उसने एक बुजुर्ग से पूछा — शविकास पहुंचा है आपके गांव में?श वह बोले — शविकास? हम नहीं थे यहां सर। बीमार थे। डाक्टर के यहां गए थे।श

तो बंधुओं–भगिनियों समझे कुछ? तुम्हारा–हमारा यह बेहद लोकप्रिय–सा शविकासश शब्द के रूप में भी आज तक ठीक से बिहार नहीं पहुंचा है। पटना से 130 किलोमीटर दूर भी नहीं जा सका है। शविकासश का नाम सुनते ही आज भी कोई बुजुर्ग डर जाता है, यह अपने–आप में हौलनाक है। उसे शविकासश शब्द सुनकर उस शविकासश की याद नहीं आती, जिसे पहुंचाने में प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी बताते हैं कि दिन–रात लगे रहते हैं, जिसके लिए 18–18 घंटे काम करते रहते हैं, साल में एक दिन की भी छुट्टी नहीं लेते हैं, तोहफे पर तोहफे बांटते चले जाते हैं और जिस शविकास श की जिम्मेदारी लेने के लिए अभी पटना में टिकट की भयंकर मारामारी मची। और जो मारामारी कर रहे थे, सबको अपने लिए नहीं, बल्कि बिहार के शविकासश के लिए टिकट चाहिए था। जिन्हें भाजपा या कांग्रेस या राजद आदि से टिकट नहीं मिला, वे बेहद दुखी थे और जो टिकट मिलने के बाद भी हार जाएंगे, वे बाद में दुखी पाएंगे, क्योंकि ऐड़ी–चोटी का जोर लगाने के बावजूद उन्हें शबिहार के विकासश का सुनहरा अवसर नहीं मिल सकेगा। एक बार जिसे भी शविकासश की चाबी मिल जाती है, तो फिर उसे अपना विकास ही, देश और प्रदेश का शविकासश लगने लगता है। शविकासश करने से जिंदगी भर का खाने–पीने का इंतजाम हो जाता है और अगली बार टिकट मिलने की संभावना बेहद बढ़ जाती है! जब टिकट नहीं मिलता है, शविकास श करने का अवसर नहीं मिलता है, तो सुबह तक जो पार्टी का अनुशासित सिपाही था, वह शाम होने से पहले विद्रोही हो जाता है। कफ़न ओढ़कर अपनी जान देने की धमकी देते हुए अपना विडियो जारी करवाता है और उसकी पत्नी आराम से उसकी बगल में बैठी हुई मिलती है कि पतिदेव टिकट के लिए बलिदान भी हो जाएं, तो उसे कोई समस्या नहीं! दुनिया इन्हें भी भगत सिंह की तरह याद रखेगी! उधर एक और साहब को टिकट नहीं मिलता है, तो वे कार में रुदन करने का विडियो बनवाते हैं। शविकास–विकासश रोते हैं! तो जो शविकासश अब तक पुल आदि के गिरने के रूप में हुआ है, वह इन जैसों के हित में ही हुआ है। पुल का पहली बार बनना भी शविकास श था और उसका गिरना भी शविकासश है और फिर दुबारा बनना भी शविकासश होगा और कभी तीसरी बार भी गिर गया, तो वह श्सुपर विकासश होगा! उधर लखीसराय जिले का ग्रामीण समझता रहेगा कि शविकासश कोई बला है और ये साहब जो शविकासश के पहुंचने की इन्क्वायरी करने आए हैं, असल में सादी वर्दी में पुलिस के दरोगा हैं। ये चोर और बदमाश शविकासश को पकड़ने आए हैं। वह साफ–साफ कहता है कि वह तो गांव में था ही नहीं , डाक्टर को दिखाने गया था। हो सकता है, वह वाकई गया हो या न गया हो, मगर वह इस बुढ़ौती में दरोगा के झंझट में पड़कर अपनी रही–सही ज़िंदगी बर्बाद करना नहीं चाहता! उसने शविकासश को भले न देखा हो मगर इन दरोगाओं और साहबों को बहुत बार, बहुत तरह से देखा है। वह इनसे डरनेध लगा है।

वह जानता है कि ये जब भी आते हैं, तो किसी न किसी को फांसने आते हैं, इसलिए वह इनसे न कहना ही बेहतर समझता है! हां कहने में खतरा है! पूछताछ के लिए पता नहीं ये कहां ले जाएं और न जाने किस–किस तरह से उसकी मिट्टी पलीद करें! फिर वह नहीं, उसकी लाश लौटे या वह भी न लौटे!ग्रामीण भारत में अब भी अनेक बार संवाददाता को सरकारी अफसर समझ लिया जाता है, क्योंकि संवाददाता पांच साल में एक बार चुनाव के समय आता है, मगर अफसर कुछ न कुछ काला–पीला करने अकसर आते हैं। जो भी मिल जाए, झटककर ले जाते हैं। सुनो मोदी जी और सुनो नीतीश जी और सुनो तेजस्वी यादव जी और लालू जी आप भी! यह जो बिहार का विकास–विकास आप लोग दिन–रात शोर मचाए रहते हो, आपस में झगड़ते हो कि शविकासश हमने किया, इन्होंने नहीं किया! हम अब फिर से करेंगे विकास, बिहार को नंबर वन बना देंगे, आपका यह विकास अभी तक गांव के बुजुर्ग को डराने की हद तक ही पहुंच सका है। शविकासश शनाम उसके लिए किसी गुंडे–बदमाश का पर्याय है।

इसी शविकासश की राह आसान करने के लिए चुनाव आयोग ने बिहार में एस आई आर करवाया है। जो गड़बड़ियां नहीं थीं, उन्हें संभव करवाया है। यह वही शविकासश है, जिसे संभव करने के लिए अडानी जी हर दिन आतुर रहते हैं और हर दिन नये–नये ठेके प्राप्त करते रहते हैं और बैंकों में देश के साधारण जनों की जमा हजारों करोड़ रुपए से शविकासश के नाम पर ऋण लेते रहते हैं। जिनके लिए लाखों पेड़ों से हरे–भरे जंगल को परती भूमि बता दिया जाता है और इन पेड़ों को काटने का अधिकार दे दिया जाता है और पर्यावरण संरक्षण कानून से छूट दे दी जाती है। इतना अधिक शविकासश हुआ है बिहार का कि आज भी मुसहर चूहे खाकर गुजारा कर रहे हैं! आज भी राशनकार्ड पर राशन वाला पांच लोगों के कार्ड पर एक का राशन खुद खा जा रहा है। इतना शविकासश हुआ है बिहार का कि वहां इतने ज्यादा श्घुसपैठियेश आ गए हैं कि बिहारी गरीब को रोजी–रोटी के लिए दिल्ली से केरल तक जाना पड़ रहा है! फिर भी विकास तो करना है। विकासश नहीं करेंगे, तो कमीशन से अपनी झोली कैसे भरेंगे! झोली नहीं भरेंगे, तो खुद को और पार्टी को कैसे चलाएंगे और खुद को और पार्टी को नहीं चलाएंगे, तो अपनी राजनीति कैसे चलाएंगे और राजनीति नहीं चलाएंगे, तो देश ठप हो जाएगा, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? विष्णु नागर जी आप लेंगे?

’(कई पुरस्कारों से सम्मानित विष्णु नागर साहित्यकार और स्वतंत्र पत्रकर हैं। जनवादी लेखक संघ के उपाध्यक्ष है।)

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

बैंकों पर विदेशी स्वामित्व के लिए खोले जा रहे दरवाज़े!

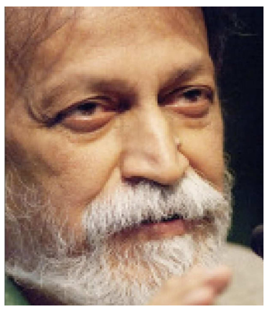

राजेंद्र शर्मा

भारतीय रिजर्व बैंक ने गैर–भारतवासियों या नॉन–रजीडेंट्स के लिए, किसी भारतीय बैंक की हिस्सा पूंजी के स्वामित्व पर 15 फीसद की सीमा लगायी है। यह सीमा विशेष मामलों में बढ़ भी सकती है, लेकिन अब तक देश के कानून में यह सीमा बनी हुई है। इसके बावजूद, 2018 में कनाडियाई कंपनी, फेयरफैक्स की मॉरीशस आधारित होल्डिंग कंपनी को, केरल की कैथोलिक सीरियन बैंक की 51 फीसद हिस्सेदारी (मुनप. जल) खरीदने की इजाजत दे दी गयी।

बहरहाल, न तो केंद्र सरकार और ना ही रिजर्व बैंक ने इसका स्पष्टीकरण दिया है कि क्यों 2018 में 15 फीसद की उक्त सीमा का उल्लंघन किया गया, जबकि 1994 में (जो नव–उदारवाद के दौर में ही आता था) थाईलैंड आधारित एसएस चाऊवाला ग्रुप द्वारा उसी बैंक की 34 फीसद हिस्सा पूंजी पर नियंत्रण हासिल करने की कोशिश को, बिल्कुल उचित ही ठुकरा दिया गया था।

गुपचुप तरीके से विदेशी स्वामित्व की इजाज़त

इतना ही नहीं, इसकी खबरें हैं कि आईडीबीआई बैंक को भी एक विदेशी–मिल्कियत वाली निजी कंपनी को बेचने के कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि यह बैंक एक सार्वजनिक क्षेत्र बैंक की श्रेणी में नहीं आता है, सरकारी स्वामित्व वाले भारतीय जीवन बीमा निगम के पास 2019 से इस बैंक की हिस्सा पूंजी के बहुमत की मिल्कियत है।

इस तरह, दावे चाहे जो भी किए जा रहे हों, ऐसा लगता है कि विदेशी खिलाड़ियों को भारतीय बैंकों का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की इजाजत देने की दिशा में, चुपचाप एक बदलाव हो रहा है। ऐसा क्यों हो रहा है, यह कभी स्पष्ट नहीं किया जाता है। यहां तक कि इस तरह के बड़े नीतिगत बदलावों के पक्ष में आम तौर पर जो दलील दी जाती है कि यह विदेशी वित्त को आकर्षित करने का तरीका है, वह दलील भी इस मामले में नहीं दी गयी है। जाहिर है कि वर्तमान मामले में यह दलील छानबीन के सामने टिक नहीं सकती थी। विदेशी खिलाड़ी द्वारा खरीदी के चलते आने वाला वित्तीय प्रवाह बहुत ही थोड़ा है।

फेयरफैक्स ने कैथोलिक सीरियन बैंक की मिल्कियत कुल 1,200 करोड़ रुपये की रकम में हासिल कर ली है, जिसमें से करीब 592 करोड़ रुपये तो उसने हिस्सा पूंजी का सिर्फ 9.72 फीसद बेचकर, 2024 के जून तक ही निकाल भी लिए थे। और जहां तक इस दलील का सवाल है कि बैंकों के विदेशी स्वामित्व से ऐसा माहौल बनता है, जो वित्त के प्रवाह के लिए अनुकूल होता है, यह पूरी तरह से खोखली दलील है। आखिरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की 15 फीसद की सीमा के कड़ाई से लागू किए जाने ने, पहले तो वित्तीय प्रवाहों को नहीं रोका था।

और अगर इस समय वित्तीय अंतरूप्रवाहों की जगह, बहिर्प्रवाहों का सिलसिला चल रहा है, इसके कारण कहीं और ही हैं। मिसाल के तौर पर ट्रंप के टैरिफ में और इन कारणों को चंद बैंकों के स्वामित्व को बेचने के जरिए दूर नहीं जा सकता है। तब गुपचुप तरीके से बैंकों पर विदेशी स्वामित्व की इजाजत क्यों दी जा रही है, जबकि यह बात व्यापक रूप से स्वीकार की जाती है कि इसके निहितार्थ अर्थव्यवस्था के लिए बहुत की नुकसानदेह होंगे। वर्ना 15 फीसद की अधिकतम सीमा लगायी ही नहीं गयी होती।

सट्टाबाजारी को बढ़ावा देने का रास्ता

बेशक, कोई यह दलील दे सकता है कि बैंकों की हिस्सा पूंजी के विदेशी स्वामित्व मात्र के नुकसानदेह प्रभावों को बहुत बढ़ा–चढ़ाकर देखा जाता है। भारतीय बैंकों द्वारा विदेशी परिसंपत्तियों के रखे जाने के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक के नियम हैं, जो आम तौर पर इस तरह की होल्डिंग को सीमित करते हैं और जब तक इन नियमों का पालन होता है, इससे खास फर्क नहीं पड़ता है कि बैंक का स्वामित्व किस के हाथों में है। बहरहाल, अगर हम इस दलील को सच मान भी लें, तब भी इससे इस सवाल का जवाब नहीं मिलता है कि किसी भारतीय बैंक को विदेशी नियंत्रण में दिए जाने की जरूरत ही क्या है?

और यह दलील तो पूरी तरह से झूठी ही है कि विदेशी स्वामित्व आने से, बैंक के प्रबंधन में सुधार आएगा। वास्तव में विदेशी नियंत्रण तो, जैसा कि कैथोलिक सीरियन बैंक का उदाहरण दिखाता है, छोटे ऋण–ग्राहकों के लिए, जिनके प्राथमिकता क्षेत्र ऋण योजना का लाभार्थी होने की अपेक्षा की जाती है, ऋणों का प्रवाह बंद कर देता है और शीर्ष प्रबंधन के भुगतान बहुत बढ़ा देता है।

इसके अलावा, बैंकों का विदेशी स्वामित्व खास इसका औजार बन जाता है कि भारतीय बैंकों के पास विदेशी परिसंपत्तियों की होल्डिंग पर, वर्तमान अंकुशों को हटाया जाना चाहिए। इस तरह के अंकुशों का हटाया जाना, विदेशी परिसंपत्तियों की होल्डिंग को बढ़ाने के जरिए, विदेशी स्वामित्व वाले बैंकों को इसमें भी समर्थ बनाएगा कि सट्टेबाजाराना गतिविधियों का वित्त पोषण करने में और ज्यादा संलिप्त हो जाएं। इस तरह की गतिविधियां ज्यादा जोखिम भरी होती हैं और इसलिए एक प्रत्याशा के रूप में औसतन ज्यादा मुनाफादेह होती हैं। जब तक चीजें अनुकूल रहती हैं और सट्टाबाजारी से अच्छी कमाई होती है, इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त रहने वाले बैंक तगड़ा मुनाफा कमाते हैं, लेकिन इसमें से एक पैसा भी बैंक के जमाकर्ताओं के हिस्से में नहीं आता है। लेकिन, जब सट्टाबाजार के मुनाफे बंदे हो जाते हैं और बैंकों को घाटे का और यहां तक कि दीवालियापन का भी सामना करना पड़ जाता है, उनके जमाकर्ताओं की जमाराशियां ही मारे जाने का खतरा पैदा हो जाता है। इसलिए, आम जमाकर्ताओं के नजरिए से तो सट्टेबाजाराना गतिविधियों का वित्त पोषण करने वाला बैंक, गैर–सट्टेबाजाराना ऋण देने में लगे बैंक के मुकाबले कहीं खराब होता है। इसलिए, बैंकों पर विदेशी स्वामित्व, भारतीय रिजर्व बैंक पर इसके लिए दबाव डालने के जरिए कि उनकी विदेशी परिसंपत्तियों की होल्डिंग पर लगे अंकुशों को उठा ले, भारतीय जमाकर्ताओं को भी सट्टेबाजार के खतरों के सामने खड़ा कर देता है, जबकि इस सट्टाबाजारी से इन जमाकर्ताओं को फायदा कुछ भी नहीं है, सिर्फ नुकसान ही नुकसान है।

साम्राज्यवादी रणनीति के तकाजे

यह सिर्फ कोरी अटकलबाजी का मामला नहीं है। 2008 में जब अमेरिका में आवासन का "बुलबुला" फूटा था, सभी बड़े महानगरीय पूंजीवादी देशों के बैंक, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, उस बुलबुले का वित्त पोषण करने से जुड़े पाए गए थे और इसके चलते, उनके ऊपर बड़ी मात्रा में "जहरीली परिसंपत्तियों" यानी ऐसी परिसंपत्तियों का बोझ आ पड़ा था, जो रद्दी हो चुकी थीं। तब इन बैंकों को लंबे–चौड़े सरकारी बेल आउटों की मदद से इस गड्ढे से निकालना पड़ा था। लेकिन, इस तरह के बेल आउट के बावजूद, जमाकर्ताओं को तो भारी नुकसान की मार झेलनी ही पड़ी थी।

भारत ही ऐसा अकेला देश था, जिसकी वित्तीय व्यवस्था इस आवासन बुलबुले के फूटने की मार से अछूती बनी रही थी। इसकी वजह यह थी कि भारतीय बैंकों की बैलेंस शीटों में विदेशी परिसंपत्तियों की मात्रा बहुत ही थोड़ी थी और इन विदेशी परिसंपत्तियों में जहरीली परिसंपत्तियों की मात्रा तो और भी थोड़ी थी। सिर्फ आईसीसीआई बैंक के पास ही कुछ विदेशी परिसंपत्तियां और यहां तक कुछ जहरीली परिसंपत्तियां भी थीं, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक इस मामले में पूरी तरह से स्वच्छ थे। अगर भारतीय बैंकों पर विदेशी स्वामित्व की इजाजत दी जाती है तो, शायद भविष्य में पहले जैसी स्थिति में नहीं रहे और भारतीय वित्तीय व्यवस्था अपनी पहले जैसी स्वस्थता का प्रदर्शन शायद नहीं कर पाए।

बहरहाल, बैंकों पर विदेशी स्वामित्व की इजाजत देना वह दिशा है, जिसमें नव–उदारवाद भारत को धकेलना चाहेगा। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं है कि नव–उदारवाद तो तमाम सरकारी पाबंदियों का विरोध करता है (खासतौर पर तीसरी दुनिया की सरकारों की ऐसी पाबंदियों का), जैसे विदेशी हिस्सा पूंजी स्वामित्व पर 15 फीसद की सीमा। इसकी वजह यह भी है कि भारतीय बैंकों का विदेशी स्वामित्व, साम्राज्यवाद को भारतीय अर्थव्यवस्था के बरक्स एक बढ़त मुहैया कराता और हमें याद रखना चाहिए कि नव–उदारवाद एक साम्राज्यवादी रणनीति है। बैंक के विदेशी मालिक की पीठ पर विदेशी राज्य का हाथ होगा, जबकि बैंक के भारतीय राज्य की पीठ पर ऐसा हाथ नहीं होगा।

बैंक राष्ट्रीयकरण के लक्ष्यों को कमज़ोर किया गया

नियंत्रणात्मक दौर में भारतीय वित्तीय क्षेत्र ने, इससे पहले के दौर की तुलना में जो प्रगतियां दर्ज करायी थीं, उन्हें नव–उदारवाद पहले ही उल्लेखनीय तरीके से पलट चुका है। मिसाल के तौर पर प्राथमिकता वाले क्षेत्र के लिए ऋण दिए जाने के नियम भले ही अब भी बने हुए हैं और उन्हें खत्म नहीं किया गया है, फिर भी प्राथमिकता वाले क्षेत्र की परिभाषा को अब इतना ज्यादा फैला दिया गया है कि किसान, छोटे उत्पादक, छोटे कारोबारी तथा हाशियावर्ती तबके, जिनके लिए ऋण सुनिश्चित करने के लिए ये नियम बनाए गए थे, उन्हें तो बहुत हद तक संस्थागत वित्त के दायरे से बाहर ही धकेला जा चुका है।

जैसा कि आल इंडिया डेमोक्रेटिक वीमेंस एसोसिएशन का एक अध्ययन दिखाता है, नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों तथा माइक्रो फाइनेंस संस्थाओं को बैंकों से ज्यादा से ज्यादा 10 फीसद ब्याज पर ऋण मिलता है और ये संस्थाएं गरीब महिला ऋणग्राहकों को 26 फीसद की ब्याज दर इस तरह से कर्ज देती हैं, जिससे औपनिवेशिक दौर के पुराने ग्रामीण महाजनों के दौर की याद ताजा हो जाती है। ये महाजन अक्सर अपने सूदखोरी के कर्जे देने के लिए, बैंकों के वित्त का ही सहारा लेते थे। इतना ही नहीं, अब नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों तथा माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशनों के लिए बैंकों के ऋणों को, प्राथमिकता वाले क्षेत्र के लिए उनके ऋण प्रदान करने के हिस्से के तौर पर गिना जाता है। बैंकों के राष्ट्रीयकरण का बुनियादी लक्ष्य, अन्य चीजों के अलावा यह था कि बैंकों के ऋण सीधे कृषि, लघु उद्योग तथा छोटे कारोबार जैसे क्षेत्रों में, सीमंत ऋण–ग्राहकों को, सभी बिचौलियों को बरतरफ करते हुए, सीधे–सीधे उपलब्ध कराए जाएं। इस लक्ष्य को कमजोर कर दिया गया है।

दूसरी ओर समूची बैंकिंग व्यवस्था को, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी शामिल हैं, बड़े कारोबारों का मातहत बना दिया गया है, जबकि बैंक राष्ट्रीयकरण के पीछे तो यही विचार था कि इस गठबंधन को तोड़ा जाए और ऋण के वितरण पर एक सामाजिक नियंत्रण स्थापित किया जाए। बड़े कारोबारी न सिर्फ ज्यादातर बैंक ऋण हथिया लेते हैं बल्कि ऋण चुकाने के मामले में बड़ी निश्चिंतता से डिफाल्ट भी करते हैं। दूसरे शब्दों में इस मामले में भी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की मौजूदगी के बावजूद (हालांकि इन दिनों इन बैंकों की भी पहचान इनमें सरकारी हिस्सा पूंजी के गिरते हुए हिस्से से ही होती है), पुराने वक्त के जैसे हालात फिर से बनाए जा रहे हैं, जहां इजारेदार घरानों का बैंकों के साथ घनिष्ठ गठजोड़ था और वास्तव में हरेक इजारेदार घराने के पास उसका अपना ही बैंक था। पुनरू, ऋण के वितरण पर सामाजिक नियंत्रण की संकल्पना से, दूर हटा जा रहा है।

भारतीय बैंकों पर विदेशी मिल्कियत से, बैंक राष्ट्रीयकरण के लक्ष्यों से दूर हटे जाने को और वेग मिलेगा। सीमावर्ती ऋण–ग्राहकों को, बैंक ऋण तक सीधे पहुंच से और दूर धकेल दिया जाएगा। बड़े कारोबारों को, बैंक ऋणों से और ज्यादा पोसा जाएगा। और इस सब के ऊपर से अब, बैंक ऋणों का प्रवाह, विदेशी परिसंपत्तियों और सट्टेबाजाराना गतिविधियों की ओर मुड़ जाएगा। इस समय सत्ता में बैठे फासीवादी तत्वों से हम इससे बेहतर की उम्मीद भी तो नहीं कर सकते हैं, पर इसका कड़ाई से प्रतिरोध किए जाने की जरूरत है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर
संपादकीय

आखिर कौन बनेगा बिहार का अगला मुख्यमंत्री, गठबंधन सस्पेंस बरकरार! नीतीश-तेजस्वी के नाम की घोषणा का इंतजार

इस बात में कोई दो राय नहीं कि नीतीश कुमार को बिहार की समाजवादी सियासत का चाणक्य तब से कहा जाता है, जबकि भाजपा के राजनीतिक चाणक्य समझे जाने वाले अमित शाह सिर्फ गुजरात की सियासत तक सीमित थे।

डिजिटल युग चुनौती

संपादक – राज कुमार

वर्तमान समय में सूचना विस्फोट से बहुत पहले, अगस्त 1835 में संयुक्त राज्य अमेरिका के एक समाच. ार पत्र ने छह–भागों की एक श्रृंखला प्रकाशित की थी, जिसमें चंद्रमा पर जीवित प्राणियों के विस्तृत दृश्यों का वर्णन किया गया था, जिन्हें कथित तौर पर एक काल्पनिक खगोलशास्त्री द्वारा एक नई खोजी गई दूरबीन के माध्यम से देखा गया था। बाद में श्ग्रेट मून होक्सश के रूप में कुख्यात होने वाली इस घटना को आमतौर पर मास मीडिया के युग में पहला सुनियोजित गलत सूचना अभियान माना जाता है और यह आज भी इस बात का एक उत्कृ ष्ट उदाहरण है कि अगर मीडिया को नियंत्रित करने वाले लोग जानबूझकर समाज को बाधित करने या मास मीडिया नैतिकता की कीमत पर लोकप्रियता हासिल करने के लिए जानकारी को गलत साबित करते हैं और तोड़–मरोड़ते हैं, तो क्या गलत हो सकता है।

वर्तमान समय की बात करें तो, जब एक बटन का क्लिक और डिजिटल मीडिया एल्गोरिदम सूचना की पहुँच और विश्वसनीयता को निर्धारित करते हैं, गलत सूचना का मुद्दा न केवल मीडिया की पहुँच और दायरे के कारण, बल्कि इस तरह के दुरुपयोग से व्यक्तियों और समग्र रूप से समाज दोनों को होने वाले संभावित नुकसान के कारण भी महत्वपूर्ण हो गया है। साक्षरता अब केवल अक्षरों और अंक. ों के उपयोग से आगे बढ़कर रोज़मर्रा की ज़िंदगी में फैल रही है, और सोशल मीडिया सहित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का व्यापक दायरा और सूचना के प्रसार में इसकी सहजता आधुनिक जीवन के लिए दोधारी तलवार बन गई है। महत्वपूर्ण सूचनाओं को समय पर और किफायती तरीके से प्रसारित करने में एक शक्ति–गुणक के रूप में, डिजिटल सूचना प्लेटफ़ॉर्म प्राकृतिक आपदाओं में जीवन रक्षक, जन स्वास्थ्य संबंधी प्रतिकूलताओं के दौरान स्वास्थ्य सहायता प्रणाली जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाते हैं, और यहाँ तक कि शिक्षा, खेल, आउटरीच गतिविधियों, आर्थिक गतिविधियों और व्यापार जैसे महत्वपूर्ण मानवीय प्रयासों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

हालाँकि डिजिटल सूचना प्लेटफ़ॉर्म के दुरुपयोग की संभावना को अच्छी तरह से समझा और प्रलेखित किया गया है, और निवारक कानून भी मौजूद हैं, फिर भी सूचना प्रसार के नियामक प्लेटफ़ॉर्म के रूप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का समकालीन क्रेज़ बेईमान लोगों के हाथों एक विनाशकारी हथियार के रूप में विक. सित हो रहा है, जो न केवल वास्तविक को झूठ के साथ मिला रहा है, बल्कि मनुष्यों को स्पष्ट रूप से गलत जानकारी को भी सच मानने के लिए प्रभावित कर रहा है। बेईमान लोगों के हाथों में, ऐसे एआई–प्रबंधित उपकरण विनाशकारी हथियारों में बदल सकते हैं जो लोगों को ऐसे नुकसान पहुँचा सकते हैं जिनकी पहले कल्पना भी नहीं की गई थी।

एक क्लासिक समकालीन बीमारी शडिजिटल गिरफ्तारीश की घटना के कारण होने वाली व्यापक क्षति है, जो कई लोगों को एक स्पष्ट झूठ को वास्तविक मानने के लिए प्रभावित करती है और लोगों को एक ऐसे खतरे से राहत के लिए पैसे देने के लिए मजबूर करती है जो पहले से मौजूद नहीं है। आधुनिक समय की सूचना के अभिनव और आपराधिक तरीकों से दुरुपयोग की बढ़ती संभावना को पहचानते हुए, संयुक्त राष्ट्र सूचना साक्षरता, सूचना के दुरुपयोग, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और एआई जनित झूठ के अपमानजनक प्रतिमानों का सक्रिय रूप से प्रचार कर रहा है। वर्तमान में अपने चौदहवें अभियान वर्ष में, यूनेस्को अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में वैश्विक मीडिया और सूचना साक्षरता (एमआईएल) सप्ताह का आयोजन करता है।

ष्नेविगेटिंग एआईरू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में मीडिया और सूचना साक्षरताष विषय के साथ, इस वर्ष की चर्चा मीडिया और सूचना साक्षरता और एआई के अंतर्संबंधों पर केंद्रित होगी जबकि एआई के युग में आधुनिक डिजिटल सूचना संदर्भों में शगेम–चेंजिंगश और शडिसरप्टिवश जैसे शब्द प्रचलित हो गए हैं, शिक्षकों के रूप में हम कागज़ रहित शिक्षा, व्हाइटबोर्ड और इसी तरह के शिक्षा के चलन से अनभिज्ञ नहीं हैं। ऐसे परिवर्तनों की उपयोगिता पर शायद ही कोई विवाद हो, लेकिन जो चीज़ पृष्ठभूमि में चली गई है, वह है नैतिक शिक्षा, जो डिजिटल सूचना अभियानों को आगे बढ़ाए, हितधारकों के बीच सत्य और भ्रामक की पहचान करने के लिए तीव्र और सक्रिय जागरूकता अभियान चलाए, और सूचना के दुरुपयोग को रोकने के लिए सक्रिय दंडात्मक प्रावधान किए जाएँ।

दिलचस्प बात यह है कि सूचना साक्षरता की कमी के उदाहरण केवल विक. ासशील देशों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में भी जीवन और रहन–सहन को अस्त–व्यस्त कर दिया है, जो निरंतर वैश्विक ऊर्जा के साथ सूचना साक्षरता अभियान चलाने की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है। मीडिया और सूचना साक्षरता (एमआईएल) यह सुनिश्चित करने में पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि व्यक्ति एआई–जनित सामग्री का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकें, डेटा–संचालित मीडिया के निहितार्थों को समझ सकें और डिजिटल स्पेस में आलोचनात्मक रूप से संलग्न हो सकें।

कमलेश पांडे

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए टिकट के बंटवारे के बाद भले ही चुनाव प्रचार अभियान शुरू हो गया है, लेकिन भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), कांग्रेस नीत इंडिया महागठबंधन और जनसुराज पार्टी ने अपने–अपने मुख्यमंत्री के नाम पर सस्पेंस अभी तलक बरकरार रखा है। इससे मतदाताओं का संशय बढ़ता जा रहा है। इससे नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव को दिन में ही तारे नज़र आ रहे हैं, क्योंकि गठबंधन सहयोगियों ने इनके पर कतर डाले हैं!

यही वजह है कि एनडीए के घटक दल हिंदुस्तान अवामी मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि मुख्यमंत्री का नाम अब स्पष्ट कर दिया जाना चाहिए। जबकि भाजपा, कांग्रेस और जनसुराज की सुविचारित रणनीति है कि मुख्यमंत्री के नाम का फैसला विधायक दल करेगा। सवाल है कि जीतन राम मांझी ने ऐसा क्यों कहा? क्या नीतीश कुमार के इशारे पर उन्होंने ऐसा कहा, या फिर कोई और बात है।

बताया जाता है कि बिहार में जनता दल यूनाइटेड के नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विगत दो दशकों से इस पद पर एन–केन–प्रकारेण काबिज हैं। बीच में उन्होंने कुछ समय के लिए दलित नेता जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनवाया था, लेकिन उनके रंग बदलने के बाद फिर से कमान अपने हाथ में ले लिए। वर्ष 2020 के चुनाव में कम सीटें मिलने के बाद भी भाजपा नेताओं ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाये रखा, जिससे उनके सियासी महत्व का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि नीतीश कुमार को बिहार की समाजवादी सियासत का चाणक्य तब से कहा जाता है, जबकि भाजपा के राजनीतिक चाणक्य समझे जाने वाले अमित शाह सिर्फ गुजरात की सियासत तक सीमित थे। ऐसे में नीतीश कुमार और उनके समर्थकों की इच्छा है कि भावी मुख्यमंत्री के लिए नीतीश कुमार के नाम की घोषणा की जाए। जबकि भाजपा सिर्फ इतना कहती है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही राजग चुनाव लड़ रहा है।

समझा जा रहा है कि भाजपा, जदयू, लोजपा आर, हम और रालोमो के बीच टिकट बंटवारे को लेकर जो खींचातानी चली, उससे एनडीए की प्रतिष्ठा और साख दोनों प्रभावित हुई है। इसलिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह फूंक–फूंक कर कोई भी कदम उठा रहे हैं। उन्हें डर है कि उम्रदराज नेता नीतीश कुमार के नाम की घोषणा होते ही युवा वर्ग एनडीए से छिटक सकता है। दूसरा डर यह है कि नीतीश कुमार के नाम की घोषणा होते ही एंटी इनकम्बेंसी फैक्टर हावी हो सकता है। तीसरा डर यह है कि नीतीश कुमार के

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए, इंडिया गठबंधन और जनसुराज ने अब तक मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। इससे मतदाताओं में असमंजस है। जीतन राम मांझी ने मुख्यमंत्री का नाम स्पष्ट करने की मांग की, जबकि भाजपा और कांग्रेस ने फैसला बाद में लेने की रणनीति अपनाई है। भाजपा को नीतीश कुमार के नाम से एंटी–इनकम्बेंसी और युवा मतदाताओं के नाराज होने का डर है, वहीं कांग्रेस तेजस्वी यादव के जंगलराज छवि और भ्रष्टाचार मामलों से चिंतित है। प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी बिना चेहरे के सभी सीटों पर मुक. ाबला कर रही है, जिससे दोनों गठबंधन परेशान हैं।

विरोधी भीतरघात कर सकते हैं। हालांकि, नीतीश कुमार को एक मौका और दिए जाने की वकालत एनडीए में जारी है।

ठीक इसी प्रकार कांग्रेस भी इंडिया महागठबंधन के भावी मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नाम का ऐलान करने से बचना चाहती है। क्योंकि उसे डर है कि ऐसा करते ही सवर्ण और दलित मतदाता कांग्रेस से छिटक जाएंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के पहले या बाद में इस वर्ग का रुझान कांग्रेस की ओर बढ़ा है।

वहीं, अल्पसंख्यकों ने भी क्षेत्रीय दलों का साथ छोड़कर कांग्रेस को प्राथमिकता दी है। कांग्रेस पार्टी का गुप्त तौर पर यह भी मानना है कि राजद सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के जंगलराज (2000–2005) को बिहार के लोग नहीं भूले हैं। ये दोनों तेजस्वी यादव के माता–पिता हैं, जिनपर कई तरह के भ्रष्टाचार के मुकदमे चल रहे हैं।

आईआरसीटीसी से जुड़े एक घोटाले में पूर्व रेलमंत्री लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव का भी नाम शामिल है। खुद तेजस्वी यादव पर भी उपमुख्यमंत्री पद के दुरूपयोग के आरोप लगे हैं।

यही वजह है कि राहुल गांधी उनके नाम के ऐलान से परहेज कर रहे हैं, क्योंकि कांग्रेसी रणनीतिकारों ने भी उन्हें यही सुझाव दिया है। इसी के चलते सीट बंटवारे में भी तेजस्वी यादव, कांग्रेस को उसका वाजिब हिस्सा नहीं दे रहे हैं। जब एक कमजोर कांग्रेस 2020 में 70 सीटों पर चुनाव लड़ी थी तो 2024 के बाद मजबूत हुए कांग्रेस को 100 सीटें नहीं देना गठबंधन न्याय नहीं कहा जा सकता है।

रही बात चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर की नवस्थापित पार्टी जनसुराज की तो वह शुरू से ही बिना मुख्यमंत्री पद के नाम की घोषणा किए ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं और एनडीए और इंडिया महागठबंधन को नाको चने चबाने पर मजबूर कर रहे हैं। कहीं उनके उम्मीदवार एनडीए की हार की वजह बनेंगे तो कहीं इंडिया गठबंधन की हार की वजह बनेंगे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एनडीए और इंडिया गठबंधन की लड़ाई के बीच जनसुराज के उम्मीदवार बाजी भी मार सकते हैं। समझा जाता है कि बिहार के मतदाता टीम लालू प्रसाद और टीम नीतीश कुमार को पिछले 35 सालों से आजमा रहे हैं।

इसलिए नए दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरे प्रशांत किशोर के उम्मीदवारों को वह ग्रेस भी दे सकते हैं, क्योंकि राजनीतिक सिरफुटौव्वल के बिहारी मतदाता शुरू से विरोधी रहे हैं। कांग्रेस, जनता पार्टी, जनता दल, भाजपा, राजद, जदयू, लोजपा को सियासी सबक देने का कारण एक यह भी माना जाता है।

भाजपा–कांग्रेस के राष्ट्रीय सूत्रों का कहना है कि चूंकि नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव आपस में भी सांठगांठ करके सत्ता में आ जाते हैं, इसलिए इनकी रणनीति से सावधान रहने में ही राष्ट्रीय दलों की भलाई है। बिहार में क्षेत्रीय दलों की मंशा रहती है कि राष्ट्रीय दल महज उसके पिछलग्गू बने रहें। लेकिन इस बार स्थिति अलग है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

सएमवीडीयू के स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर ने आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक कौशल संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय ‍(डटक्), कटरा के स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड लैंडस्केप डिज़ाइन ‍(व।स्क्) ने उत्कृष्ट व्यावहारिक और कौशल–उन्मुख शिक्षण प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत, अपने छात्रों के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कौशल–संवर्धन कार्यशाला श्सूक्ष्म–जलवायु विज्ञान मूल्यांकनश विषय पर केंद्रित थी और इसमें लोकप्रिय प्लेटफॉर्म – श्म्छट्प्–डमजश और श्अर्बन क्लाइमेटश सॉफ्टवेयर के माध्यम से कठोर व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र शामिल थे। ये प्रशिक्षण प्लेटफॉर्म वर्तमान उद्योग जगत में अत्यंत प्रासंगिक हैं, साथ ही छात्रों की रोजगारपर. कता में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आमंत्रित विशेषज्ञ, आर्किटेक्ट अमरनाथ शर्मा और आर्किटेक्ट क्षितिज कक्कड़, आईआईटी रुड़की के वास्तुकला एवं योजना विभाग से थे, जिन्हें उनके चल रहे डॉक्टरेट शोध अध्ययनों के लिए प्रधानमंत्री अनुसंधान फेलोशिप (च्डत्थ्) प्राप्त हो रही है। फेलोशिप के तहत उन्हें प्रशिक्षण के लिए विभिन्न संस्थानों में जाना पड़ता है, और स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर अपने छात्रों को सीखने और आगे बढ़ने के इस दुर्लभ अवसर के लिए चुनने वाले विशेषज्ञों का आभारी है। कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन आर्किटेक्चर विभागाध्यक्ष, आर्किटेक्ट द्वारा किया गया। अभिनी गुप्ता ने कार्यशाला का उद्घाटन किया, जिसके बाद सह–समन्वयक एआर अनूप शर्मा ने कार्यशाला की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में छात्रों की ओर से उल्लेखनीय प्रतिक्रिया देखी गई और विशेषज्ञ प्रयोगशाला के अंदर और बाहर देर शाम तक छात्रों के साथ जुड़े रहे। कुल मिलाकर, लगभग 50 छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक एआर विनोद कुमार और अन्य सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने निकट भविष्य में इस तरह की कौशल–संवर्धन कार्यशालाओं की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त की। माननीय कुलपति, एसएमवीडीयू ने इस आयोजन के सफल आयोजन के लिए मेजबान विभाग को बधाई दी और विशेष रूप से छात्रों के हित में, ऐसे प्लेटफार्मों के माध्यम से अन्य संस्थानों के साथ सार्थक बातचीत के लिए अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया।

मानव जीवन के उद्देश्य को समझकर मोक्ष प्राप्ति हेतु प्रयास करना आवश्यक : सद्गुरु मधुपरमहंस

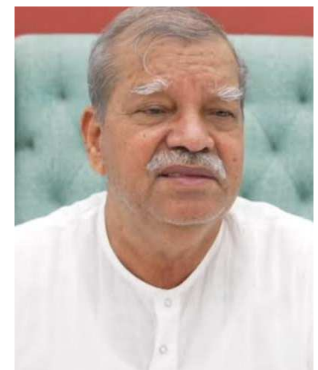

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : साहिब उपासना के संत सद्गुरु मधुपरमहंस जी महाराज ने आज जम्मू के रांजड़ी में अपने प्रवचनों की अमृतवर्षा से संगत को निहाल करते हुए कहा कि यह मानव शरीर दुर्लभ है। देवता भी इस शरीर की अभिलाषा करते हैं, क्योंकि मोक्ष इसी जीवन में प्राप्त हो सकता है। केवल मनुष्य ही मोक्ष के पात्र हैं, देवता नहीं। जब तक हम मोक्ष की महानता को नहीं समझेंगे, तब तक हम इसके लिए प्रयास नहीं करेंगे। मैंने एक बच्चे को दस रुपये का नोट दिया। उसने उसे फाड़कर फेंक दिया क्योंकि उसे पैसों का मूल्य समझ नहीं आया। जब तक हम मानव जीवन का उद्देश्य नहीं समझेंगे, तब तक हम मोक्ष के लिए प्रयास नहीं करेंगे।

आत्मा किसी भी काल या स्थान की अवस्था में नष्ट नहीं होती। यह घटती या बढ़ती नहीं। शस्त्र इसे काट नहीं सकते। यह कैसी अद्भुत वस्तु है। अग्नि इसे जला नहीं सकती। आत्मा बहुत बलवान है। तुम वही हो। परन्तु इस संसार में प्रवेश करते ही मनुष्य मायावी बातों में उलझ जाता है। ऐसा कैसे होता है? आत्मा शरीर में प्रवेश करके स्वयं को भूल गई है। सद्गुरु के बिना मनुष्य भटका हुआ है। चाहे कोई कितना भी प्रयत्न करे, इसे मुक्त नहीं किया जा सकता। यह आत्मा अपने आप में पूर्ण है। इसके भीतर देने को कुछ भी नहीं है। सद्गुरु इसे जागृत करते हैं। जिस प्रकार सिंह का बच्चा बकरियों में मिलकर बकरी बन गया, उसी प्रकार आत्मा इस संसार में आकर अपने वास्तविक स्वरूप को भूल गई है। जैसे एक दिन दूसरे जंगल से एक सिंह आया और उसे चेतावनी देते हुए बोला, ष्तुम सिंह हो, भेड़–बकरियों के साथ क्या कर रहे हो?ष वह उसे एक तमाशे में ले गया और उसे उसका वास्तविक रूप दिखाया, और उसे एहसास हुआ कि वह वास्तव में सिंह है। वह बहुत प्रसन्न हुआ। पहले तो वह गुर्राया, फिर दहाड़ा। इसी प्रकार, आत्मा अपनी शक्ति भूल चुकी है।

सद्गुरु उसे जागृत करते हैं। जब आत्मा स्वयं को जान लेती है, तो वह मन के इशारे पर नहीं चलती। वह स्वयं में लीन हो जाती है। वह ईश्वर की ओर अग्रसर होती है। शेर ने उस शेर के बच्चे को, जो उसे बकरी समझ रहा था, अपने पंजे चलाना और दहाड़ना सिखाया।

वह शक्ति उसमें पहले से ही थी, बस वह उसे भूल गया था। इसी प्रकार, आत्मा भी अत्यंत शक्तिशाली है। यदि परमात्मा से भी अधिक शक्तिशाली कोई है, तो वह आत्मा ही है। कोई और नहीं है।

रंगमंच निर्देशक लेफ्टिनेंट कवि रतन को रमेश मेहता मेमोरियल पुरस्कार- 2025 से सम्मानित किया जाएगा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : रंगमंच निर्देशक, स्वर्गीय कवि रतन को रंगमंच के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मरणोपरांत पाँचवें पुरस्कार के लिए चुना गया है। यह पुरस्कार स्वर्गीय रमेश मेहता के परिवार और हिंदी साहित्य मंडल, जम्मू द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित और संचालित किया जाता है। यह पुरस्कार, लेखक, संपादक और जम्मू–कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी के पूर्व सचिव, स्वर्गीय रमेश मेहता की स्मृति में स्थापित और संचालित किया जाता है। यह पुरस्कार प्रसिद्ध रंगकर्मी स्वर्गीय कवि रतन की पत्नी श्रीमती शशि रतन को 6 नवंबर को जम्मू में स्वर्गीय रमेश मेहता के आगामी जन्मदिन (13 नवंबर) के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया जाएगा। यह निर्णय स्वर्गीय रमेश मेहता की पुत्री पवित्रा मेहता द्वारा मेहता परिवार की ओर से और डॉ. चंचल डोगरा द्वारा हिंदी साहित्य मंडल की ओर से जारी एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में घोषित किया गया। परिवार और मंडल द्वारा नामित स्थायी निर्णायक मंडल ने रविवार, 19 अक्टूबर, 2025 को सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया और मेहता परिवार तथा हिंदी साहित्य मंडल को औपचारिक रूप से अपना निर्णय सुनाया।

गौरतलब है कि आयोजकों ने 2021 में यह पुरस्कार प्रदर्शनकारी एवं ललित कलाओं, हिंदी साहित्य एवं लेखन, जिसमें हिंदी पत्रकारिता, कलाओं से संबंधित हिंदी–अंग्रेजी लेखन भी शामिल है; तथा हिंदी शिक्षण, साहित्य एवं कलाओं के संवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए प्रदान करने का निर्णय लिया था और सभी पुरस्कार इसी मानक के अनुरूप प्रदान किए गए हैं।

यह भी इरादा था कि यह पुरस्कार जम्मू क्षेत्र के उन योग्य और मेहनती व्यक्तियों को दिया जाना चाहिए, जिन्हें किसी भी कारण से, उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए क्षेत्रीय या केंद्रीय कला/साहित्य अकादमियों या सरकार से उचित मान्यता मिली हो या नहीं मिली हो, या यदि जूरी संबंधित व्यक्ति को विशेष मान्यता प्रदान करना उचित समझे। इन मानकों/मानदंडों और कार्यक्षेत्र के अनुसार, पुरस्कार निर्णायक मंडल ने जम्मू क्षेत्र में वर्तमान में कार्यरत कुछ कलाकारा. ‍/लेखकों/संस्थाओं आदि के नामों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि ष्अपने पाँचवें संस्करण में, रमेश मेहता स्मृति पुरस्कार 2025, जम्मू में रंगमंच के प्रचार–प्रसार में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए श्री कवि रतन को प्रदान किया जाएगा।ष यह पहली बार है कि रमेश मेहता पुरस्कार जम्मू के किसी कलाकार को मरणोपरांत प्रदान किया जाएगा। जैसा कि सर्वविदित है, इस पुरस्कार में 11,000 रुपये की पुरस्कार राशि, एक प्रशस्ति पत्र और एक शॉल शामिल है, और पुरस्कार वितरण समारोह हिंदी साहित्य मंडल के सहयोग से आयोजित किया जाता है। इससे पहले, 2021 में यह पुरस्कार विराज कला केंद्र और विराज बाल भारती की निदेशक सुश्री राज भारती को दिया गया था; 2022 में चित्रकार–पत्रकार जंग एस वर्मन और गायक–संगीतकार शाम साजन को; 2023 में थिएटर कलाकार दीपक कुमार को; और 2024 में बसोहली की लोक संस्कृति के वाहक शिव दोबालिया को दिया गया था। रमेश मेहता मेमो. रियल पुरस्कार के लिए स्थायी जूरी में प्रसिद्ध हिंदी लघु कथाकार और सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो किरण बख्शी; कवि और सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो (डॉ) चंचल डोगरा; पद्मश्री प्रो (डॉ) ललित मगोत्रा, डोगरी लघु कथाकार, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, जम्मू विश्वविद्यालय, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के पूर्व संयोजक डोगरी और डोगरी संस्था के अध्यक्ष शामिल हैं।

एनएमओपीएस ने दिवाली की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दीं

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) की जम्मू–कश्मीर इकाई ने सभी सरकारी कर्मचारियों, श्रमिकों और नागरिकों को प्रकाश के पर्व दिवाली के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

संगठन ने दिवाली को आशा, नवीनीकरण और अंधकार पर प्रकाश की शाश्वत विजय का प्रतीक बताया है और गहरी आशा व्यक्त की है कि यह त्योहार केंद्र शासित प्रदेश और पूरे देश में हर घर में शांति, समृद्धि और सामूहिक शक्ति लेकर आएगा।

अपने शुभकामना संदेश में, एनएमओपीएस–जम्मू–कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष शेख मोहम्मद अशरफ ने सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और कहा, ष्दिवाली केवल रोशनी का त्योहार नहीं है; यह आस्था, धार्मिकता और मानवीय भावना का उत्सव है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रकाश हमेशा अंधकार को दूर करता है, सत्य हमेशा असत्य पर विजय प्राप्त करता है, और अच्छाई हमेशा बुराई पर विजय पाती है।ष उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि दिवाली की यह भावना प्रत्येक नागरिक, विशेषकर श्रमिक वर्ग को, अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में न्याय, समानता और कल्याण के लिए प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित करे।

अशरफ ने इस बात पर ज़ोर दिया कि दिवाली का संदेश एनएमओपीएस के मिशन से गहराई से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली का संघर्ष,

नेहा महाजन ने हरमन गमीनर स्कूल में दीपोत्सव 2025 समारोह की शोभा बढ़ाई

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू स्थित हरमन गमीनर स्कूल का परिसर उत्सवी आनंद और सांस्कृतिक उत्साह से सराबोर था क्योंकि स्कूल ने बड़े उत्साह के साथ ष्दीपोत्सव 2025 – दिवाली और डांडिया उत्सवष का आयोजन किया। इस आयोजन ने दिवाली के सार को खूबसूरती से दर्शायाकृसभी के बीच प्रकाश, खुशियाँ और एकजुटता फैलाना। समारोह की शुरुआत एडवोकेट नेहा महाजन, अध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा जम्मू–कश्मीर द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुई, जो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। उनके साथ श्री मुदस्सर, एसडीपीओ डोमाना, प्रधानाचार्य शकुन चौधरी और रैना सर सहित वरिष्ठ स्टाफ सदस्य भी मौजूद थे। यह शुभ शुरुआत अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक थी। एडवोकेट नेहा महाजन ने छात्रों के बीच भारतीय संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं को बढ़ावा देने वाले ऐसे सार्थक और सुव्यवस्थित समारोह के आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि दीपोत्सव जैसे त्यौहार हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मज़बूत करते हैं, युवा मन में सकारात्मकता और परंपराओं के प्रति सम्मान का संचार करते हैं, और समाज में एकता की भावना को बढ़ावा देते हैं – जो माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के श्विक. सित भारतश के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

प्रधानमंत्री श्री जीजीएमएस जिंद्रा ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता कुलदीप गुप्ता को सम्मानित किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : प्रधानमंत्री श्री शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय जिंद्राह में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित जेनाब कुलदीप गुप्ता के सम्मान में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जिंद्राह के प्रधानाचार्य और क्लस्टर प्रमुख कस्तूरी लाल के तत्वावधान में आयोजित किया गया, और पुरस्कार विजेता द्वारा स्वयं क्लस्टर जिंद्राह के विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए दोपहर के भोजन का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, उनकी नवीन शिक्षण पद्धतियों और उत्कृष्टता एवं करुणा के साथ युवा मस्तिष्कों के पोषण के प्रति उनके समर्पण का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान, स्टाफ सदस्यों और छात्रों ने कुलदीप गुप्ता के शिक्षक के रूप में उनके प्रेरणादायक सफ़र के लिए अपनी गहरी प्रशंसा और सम्मान व्यक्त किया। स्कूल प्रबंधन द्वारा उनकी विशिष्ट सेवा और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के सम्मान में उन्हें एक सम्मान पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रधानाचार्य कस्तूरी लाल ने गुप्ता की अनुकरणीय उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर उनकी यह उपलब्धि न केवल जिंद्रा के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के शैक्षिक समुदाय के लिए अत्यंत गौरव की बात है।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसी उपलब्धियाँ शिक्षकों और छात्रों दोनों को समर्पण और निष्ठा के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती हैं।

कार्यक्रम में श्रीमती लक्ष्मी देवी, सदाकत अली, श्रीमती बबीता शर्मा और अन्य शिक्षण एवं गैर–शिक्षण स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने पुरस्कार विजेता को हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव और प्रेरणा के संदेश के साथ हुआ, जिसमें राष्ट्र के भविष्य को आकार देने के अपने महान मिशन को जारी रखने के लिए शिक्षक समुदाय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

उपमुख्यमंत्री ने राजौरी जिले के नौशेरा, सुंदरबनी क्षेत्रों में प्रमुख विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

सबका जम्मू कश्मीर

राजौरी : उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आज राजौरी जिले के नौशेरा और सुंदरबनी क्षेत्रों का दौरा किया, जहां उन्होंने इन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे में सुधार के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

इस दौरे के दौरान, उपमुख्यमंत्री ने लम्बेरी–गोगरी सड़क परियोजना के उन्नयन और एमएस कनारा से अंतर्राष्ट्रीय स्कूल हंडन तक सड़क के निर्माण/उन्नयन की आधारशिला रखी। उन्होंने ज़िंदा पीर काम्पला में 20 मीटर लंबे मोटरेबल पुल और उसके पहुँच मार्ग पर चल रहे कार्यों का भी जायजा लिया।

इसके बाद, उपमुख्यमंत्री ने बस स्टैंड सुंद. रबनी का भी दौरा किया, जहां उन्होंने सड़क की गुणवत्ता और आम जनता के लिए आवागमन को बेहतर बनाने के लिए ब्लैकटॉपिंग कार्य का शुभारंभ किया।

अपने दौरे के दौरान, उप–मुख्यमंत्री ने स्थानीय निवासियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं और विकास संबंधी आकांक्षाओं को सुना। उन्होंने उन्हें अंतिम छोर तक विकास और सभी क्षेत्रों में जन सुविधाओं में सुधार के लिए सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।

आम जनता ने क्षेत्र में सड़क अवसंरचना को मजबूत करने और विकासात्मक गति. विधियों में तेजी लाने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों के लिए आभार और प्रशंसा व्यक्त की। इस दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री के साथ अधीक्षण अभियंता तिलक राज, कार्यकारी अभियंता सरवर महमूद तथा अन्य जिला एवं क्षेत्रीय अधिकारी भी मौजूद थे।

आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में महिलाओं की अहम भूमिकारू संजीता डोगरा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू–कश्मीर की महासचिव और राज्य मुख्यालय प्रभारी संजीता डोगरा ने जम्मू सीमावर्ती ज़िले में आयोजित एक महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में महिलाओं की भूमिका सिर्फ़ सहायक ही नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी भी है। ज़िला अध्यक्ष रिंकू चौधरी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आयोजित इस सम्मेलन में महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण पर ज़ोर दिया गया।

अपने संबोधन में, संजीता डोगरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता की ओर ऐतिहासिक कदम बढ़ा रहा है, और महिलाओं का योगदान इसके सबसे मज़बूत स्तंभों में से एक बनकर उभर रहा है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सीमाव. र्ती क्षेत्रों में रहने वाली महिलाएं न केवल अपने परिवार का पालन–पोषण कर रही हैं, बल्कि स्वरोज़गार, स्टार्टअप, कौशल विकास और शिक्षा के माध्यम से समाज के आर्थिक ढाँचे को भी मज़बूत कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यही आत्मनिर्भर भारत की सच्ची भावना है।

महिलाओं से विकास की धारा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए, संजीता डोगरा ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और राज्य सरकारें महिलाओं के सामा. जिक, राजनीतिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं को तकनीकी शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और वित्तीय स्वतंत्रता के लिए प्रोत्साहित करके समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने सीमाव. र्ती क्षेत्रों की महिलाओं का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी वे जिस साहस, आत्मविश्वास और नेतृत्व का परिचय देती हैं, वह पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

जिला अध्यक्ष रिंकू चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार की योजनाओं में महिलाओं को सशक्त बनाने और शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के बीच की खाई को पाटने पर विशेष ध्यान दिया गया है। सुचेतगढ़ के विधायक प्रो. गारू राम भगत ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों की महिलाएं अब सीमा की रक्षा करने वालों के परिवारों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि अब आर्थिक और सामाजिक आत्मनिर्भरता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

जिला प्रभारी राजिंदर सिंह चिब और सह प्रभारी आरती जसरोटिया ने भाजपा की नीतियों और योजनाओं पर प्रकाश डाला, जो सीधे तौर पर महिलाओं को लाभान्वित कर रही हैं। डीडीसी मीरां साहिब विद्या मोटन, जिला महासचिव सुरजीत सिंह और अशोक विरदी ने भी महिलाओं को स्थानीय नेतृत्व की भूमिका निभाने और राजनीति और सामाजिक उत्थान में सक्रिय भागीदार बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

जम्मू-कश्मीर के सभी मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों ने बेखौफ होकर पीएसए का इस्तेमाल किया : पीपुल्स कॉन्फ्रेंस

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने रविवार को कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) एक कठोर कानून है जिसका इस्तेमाल जम्मू–कश्मीर के सभी मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों द्वारा दंड से मुक्ति के साथ किया गया है।

असदुद्दीन ओवैसी की एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए हंदवाड़ा से विधायक ओवैसी ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में किसी भी सरकार ने पीएसए को तब नहीं हटाया जब वे ऐसा करने की स्थिति में थे।

उन्होंने कहा, जब वे ऐसा कर सकते थे, तब उन्होंने इस कठोर कानून को कभी निरस्त नहीं किया। वे ऐसा कभी नहीं करेंगे।

लोन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, षीएसए एक कठोर कानून है। जब भी जम्मू–कश्मीर केंद्रीय शासन के अधीन था, सभी कश्मीरी मुख्यमंत्रियों और सभी राज्यपालों ने इसका बेरोकटोक इस्तेमाल किया है।ष

ओवैसी ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि जब भी उन्हें अधिकार मिलेगा, वह अध्यादेश के माध्यम से पीएसए को हटा देंगे, 1978 के बाद से जम्मू–कश्मीर में सभी सरकारों पर इस कानून का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

लोन ने कहा, मुझे कहना होगा कि यह पहली बार है कि देश के बाकी हिस्सों से किसी ने श्सचमुच सच कहा है।

फिक्की फ्लो ने अमृतसर में फ्लो बाजार प्रदर्शनी का आयोजन किया

प्रदर्शनी से होने वाली आय पंजाब बाढ़ राहत कोष में जाएगी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम शर्मा ने फ्लो अमृतसर की चेयरपर्सन मोना सिंह के साथ मिलकर रिबन काटकर और तेल का दीपक जलाकर ष्फ्लो बाजारष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसका आयोजन फिक्की फ्लो द्वारा अमृतसर के होटल सरोवर प्रीमियर में किया गया था। इस अवसर पर अतिथि के रूप में अमृतसर के सांसद गुरजीत सिंह औजला और उनकी पत्नी उन्दलीब रॉय औजला, डिप्टी कमिश्नर अमृतसर साक्षी साहनी, सीनियर डिप्टी मेयर प्रियंका शर्मा, विधायक जीवन ज्योत, पार्षद कृति अरोड़ा, एसडीएम अमृतसर मनकंवल सिंह चहल, वीओए अध्यक्ष इंदु अरोड़ा फुलकारी अध्यक्ष मीनाक्षी अपनी टीम के सदस्यों के साथ कई अन्य लोग भी मौजूद थे और मोना सिंह ने उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम शर्मा ने अमृतसर फिक्की फ्लो चेयरपर्सन मोना सिंह के साथ मीडिया को संबो. धित करते हुए कहा कि प्रदर्शनी में कुल 60 स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें से 10 एनजीओ को मुफ्त दिए गए। बाकी स्टॉलों में फैशन डिजाइन के कपड़े, सोने और कृत्रिम आभूषण, उपहार वस्तुएं, कॉर्पोरेट उपहार, जूते, महिलाओं के पर्स, कलाकृति कौशल और अन्य उत्पाद प्रदर्शित किए गए। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी से प्राप्त आय बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए समर्पित की जाएगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम शर्मा का स्कूली लड़कियों द्वारा पारंपरिक गिद्दा और गतखा के साथ भव्य स्वागत किया गया और पूनम शर्मा को फिक्की फ्लो अमृतसर टीम के सदस्यों के साथ एफएलओ चेयरपर्सन मोना सिंह द्वारा शॉल और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी में दिल्ली, जम्मू, जालंधर, लुधियाना सहित कई राज्यों के व्यापारियों ने भी भाग लिया, जिससे यह आयोजन भव्य और बहुरंगी रूप ले सका। इस अवसर पर फिक्की फ्लो टीम की सदस्य तान्या खन्ना, सिख सरीन, आशना खेड़ियां, डॉ. सरिता महाजन, अपूर्वा श्रद्धा सचदेवा, किट्टी कंधारी, किट्टी भाल सहित अन्य उपस्थित थे।

बारामूला में पुलिस नशा मुक्ति केंद्र ने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : पुलिस नशा मुक्ति केंद्र, बारामूला ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (जीएचएसएस) निहालपोरा के सहयोग से छात्रों को नशे की लत के हानिकारक प्रभावों और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और पुलिस नशा मुक्ति दल के सदस्यों ने भाग लिया। पट्टन पुलिस स्टेशन के एसएचओ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए नशीली दवाओं के बढ़ते खतरे और नशीले पदार्थों के प्रसार को रोकने के लिए पुलिस द्वारा उठाए गए सक्रिय कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने नशा मुक्त समाज के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों और युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया।

वरिष्ठ व्याख्याता श्री ज़हूर अहमद ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक परिणामों पर एक गहन व्याख्यान दिया और छात्रों को स्वस्थ आदतें और सकारात्मक गतिविधियाँ अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। बारामूला से आई नशामुक्ति टीम ने नशे के लक्षणों, निवारक रणनीतियों और उपलब्ध पुनर्वास सहायता पर विस्तार से चर्चा की और शीघ्र हस्तक्षेप के महत्व पर ज़ोर दिया।

उप–प्रधानाचार्य श्री मुदासिर कलीम ने बारामूला पुलिस के प्रयासों की सराहना की और शैक्षणिक संस्थानों में नियमित जागरूकता पहल की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने छात्रों से सकारात्मक बदलाव के दूत बनने और एक सुरक्षित समुदाय के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

राजेंद्र गौतम का जम्मू में स्वागत; कुंडल ने आरक्षण पर प्रमुख मुद्दे उठाए

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एससी विभाग) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजेंद्र गौतम आज जम्मू पहुंचे, जहां पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष यशपाल कुंडल ने एक प्रतिनिधिमंडल के साथ हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

अपने आगमन के बाद गौतम सीधे जम्मू प्रेस क्लब पहुंचे, जहां उन्होंने अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय और संगठनात्मक मामलों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ विस्तृत विचार–विमर्श किया।

बैठक के दौरान, यशपाल कुंडल ने अनुसूचित जाति समुदाय को प्रभावित करने वाले कई प्रमुख मुद्दे उठाए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि अंतर–जिला भर्ती प्रणाली, जो पहले अनुसूचित जाति के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करती थी, को "एक साजिश के तहत समाप्त कर दिया गया है", जिससे रोजगार की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि केंद्र शासित प्रदेश में आरक्षण नीति का उचित ढंग से क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा है।

कुंडल ने ष्पदोन्नति में आरक्षणष के कार्यान्वयन में जानबूझकर डाली जा रही बाधाओं की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जिसके कारण विभिन्न स्तरों पर अनुसूचित जाति के अधिकारियों और कर्मचारियों का उत्पीड़न हो रहा है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जम्मू क्षेत्र में अनुसूचित जाति समुदाय एक महत्वपूर्ण वोट बैंक है, फिर भी उनकी चिंताओं को लगातार नज़रअंदाज़ किया जा रहा है।

उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से इन मुद्दों को गंभीरता से लेने और अनुसूचित जाति समुदाय के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। कुंडल की चिंताओं का जवाब देते हुए, राजेंद्र गौतम ने आश्वासन दिया कि उठाए गए सभी मुद्दों को पार्टी आलाकमान के समक्ष उठाया जाएगा और सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी हमेशा अनुसूचित जाति समुदाय के साथ खड़ी रही है और किसी भी प्रकार के भेदभाव या अन्याय के खिलाफ लड़ती रहेगी। इस अवसर पर पूर्व सरपंच कृष्ण लाल, डॉ. मोहन लाल, मनदीप चौधरी और कई अन्य पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दिवाली उत्सव के लिए पूरी तरह तैयार, अगले महीने दरबार मूव होगा : जम्मू पुलिस

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू में पुलिस शांतिपूर्ण दिवाली उत्सव और अगले महीने होने वाले दरबार मूव को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने शीतकालीन राजधानी में शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की दुश्मन ताकतों की किसी भी कोशिश को विफल करने में लोगों से सहयोग मांगा।

जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर सिंह ने लोगों से कहा कि वे सत्यापन फॉर्म भरकर अपने किरायेदारों के बारे में जानकारी दें और बाजारों में किसी भी लावारिस वस्तु की उपस्थिति की सूचना देकर अतिरिक्त सतर्कता बरतें।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ष्जहां तक खतरे का सवाल है, आप सभी जानते हैं कि हम पिछले 30–35 सालों से आतंकवाद से लड़ रहे हैं। दुश्मन (पाकिस्तान) को पहले पांच युद्धों में हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन वह अभी भी आतंकवादियों और नशीले पदार्थों को भेजकर अशांति फैलाने की कोशिश कर रहा है और हालात की मांग है कि हम किसी भी साजिश का मुकाबला करने के लिए सतर्क रहें।

एसएसपी ने कहा कि उन्होंने दिवाली त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं और दरबार मूव के तहत जम्मू में सरकारी कार्यालयों को सुचारू रूप से खोलने के लिए भी कदम उठाए हैं। दरबार मूव एक ऐसी प्रथा है जिसे जेके सरकार ने चार साल बाद फिर से शुरू किया है। ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में दरबार मूव कार्यालयों को 31 अक्टूबर को बंद करने के आदेश जारी किए थे। यह आदेश मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा 1872 में डोगरा शासकों द्वारा शुरू की गई सदियों पुरानी परंपरा को बहाल करने की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद जारी किया गया था। इस निर्णय का लोगों, विशेषकर जम्मू के व्यापारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया था, जिन्होंने इस निर्णय को दिवाली त्योहार से पहले एक उपहार बताया था।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाली प्रशासन ने 2021 में दरबार मूव परंपरा को खत्म कर दिया था।

आमतौर पर सर्दियों में जम्मू में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिलती है और दरबार मूव को फिर से शुरू करने के सरकार के फैसले के साथ, इस मौसम में (कश्मीर से) और भी लोगों के आने की उम्मीद है... किरायेदारों के सत्यापन का प्रावधान है जो बहुत महत्वपूर्ण है।

मैं उन लोगों से अनुरोध करता हूँ जो प्रवासी मज़दूरों समेत किसी को भी अपनी संपत्ति किराए पर देते हैं, वे ये फॉर्म भरें। दिवाली के त्यौहार के कारण बाजारों में लोगों की भारी भीड़ है और पुलिस ने सुरक्षा एवं शांति के लिए पहले ही एहतियाती कदम उठा लिए हैं।

उन्होंने कहा, ष्कुछ लोग बाज़ार में अपना सामान छोड़कर चले जाते हैं। हमें सतर्क रहना होगा और किसी भी लावारिस वस्तु की उपस्थिति की तुरंत पुलिस को सूचना देनी होगी।ष

एसएसपी ने कहा कि यह सच है कि पिछले कई वर्षों से यहां शांति और सौहार्द कायम है, लेकिन दुश्मन शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने कहा, ष्डरने की कोई बात नहीं है। यहाँ मौजूद सभी सुरक्षा बल, चाहे वह सीमा की रक्षा करने वाली सेना और बीएसएफ हो, या पुलिस या अर्धसैनिक बल, सभी पूरी दृढ़ता से अपना काम कर रहे हैं। वे यहाँ किसी भी तरह की घटना को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन साथ ही, उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल लोगों के समर्थन के बिना सफलता प्राप्त नहीं कर सकते और उन्हें आगे आकर क्षेत्र में तैनात कर्मियों का मनोबल बढ़ाने की जरूरत है।

सकीना इटू ने उर्स शेख-उल-आलम (आरए) पर लोगों को बधाई दी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने हजरत शेख नूर–उद–दीन नूरानी (आरए), जिन्हें शेख–उल– आलम (आरए) के नाम से जाना जाता है, के वार्षिक उर्स के शुभ अवसर पर लोगों को हार्दिक बधाई दी है।

अपने संदेश में, मंत्री सकीना ने शेख–उल–आलम (र.अ.) को शांति, सद्भाव और सार्वभौमिक भाईचारे का शाश्वत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि अलमदार (र.अ.) की शाश्वत शिक्षाएँ मानवता को करुणा, सहिष्णुता और नैतिक अखंडता की ओर अग्रसर करती रहती हैं। मंत्री ने कहा, शेख–उल–आलम (र.अ.) का संदेश धर्म और समय की सीमाओं से परे है। सह–अस्तित्व और साथी प्राणियों के प्रति प्रेम का उनका दृष्टिकोण आज की दुनिया में भी अत्यंत प्रासंगिक है।ष

मंत्री सकीना ने लोगों से महान संत द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करने तथा आपसी सम्मान, एकता और आध्यात्मिक जागृति के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया, जो उनके दर्शन का सार है।

मंत्री ने जम्मू–कश्मीर के सभी नागरिकों की शांति, समृद्धि और कल्याण के लिए भी प्रार्थना की।

पुलिस ने श्रीनगर में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े आतंकवादी सहयोगियों के आवासों पर छापेमारी की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : आतंकी तंत्र को ध्वस्त करने और गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, श्रीनगर पुलिस ने शहर भर में कई जगहों पर व्यापक छापेमारी की। गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत चल रही जाँच के सिलसिले में, प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े आतंकवादियों के सहयोगियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के आवासों पर छापेमारी की गई। श्रीनगर के विभिन्न इलाकों में समन्वित तलाशी अभियान चलाए गए, जिनमें आतंकवादी गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने, सहायता करने या बढ़ावा देने में शामिल लोगों को निशाना बनाया गया।

असरार अहमद बाला पुत्र रफी बाला निवासी ओमर कॉलोनी लाल बाजार, शाहबाज अहमद भट पुत्र फारूक अहमद भट निवासी पालपोरा नूरबाग, फैयाज अहमद गनी पुत्र गुआम मोहम्मद गनी निवासी सुथसू कलां, बुरहान नजीर पुत्र नजीर अहमद कुशू निवासी बीरोनी काठीदरवाजा, साजिद मजीद शाह पुत्र अब्दुल मजीद शाह निवासी नौपोरा सेकिदाफर, आशिक बशीर नजर पुत्र नजीर के आवासों पर तलाशी ली गई। बशीर अहमद नजर निवासी सोइतेंग, उमर आदिल डार पुत्र गुलाम हसन डार निवासी सोइतेंग, शब्बीर अहमद गनी पुत्र घ मोहिउद्दीन गनी निवासी न्यू थीड, अजाज अहमद भट पुत्र अजीज आह भट निवासी न्यू थीड, मोहम्मद अल्ताफ गनी पुत्र फैयाज अहमद निवासी न्यू थीड, फैयाज अहमद गनी पुत्र मोहम्मद सुल्तान निवासी न्यू थीड, मंजूर अहमद भट पुत्र अब अहद भट निवासी न्यू थीड और अहसान अहमद भट उर्फ मुन्ना पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद यूसुफ निवासी मुगल मोहल्ला रानीवारी ए/पी इंद्र नगर, श्रीनगर।

ये तलाशी कार्यपालक मजिस्ट्रेटों और स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में, और जम्मू–कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में, विधिक प्रक्रिया के अनुसार की गईं। इन अभियानों का उद्देश्य चल रही जाँच से संबंधित दस्तावेज़ों, डिजिटल उपकरणों और अन्य साक्ष्यों जैसी आपत्तिजनक सामग्री को ज़ब्त करना था। ये छापे एक व्यापक ख़ुफ़िया जानकारी जुटाने की प्रक्रिया का भी हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक शांति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ख़तरा पैदा करने वाली किसी भी षड्यंत्रकारी या आतंकवादी गतिविधि को रोकना और उसे विफल करना है। यह निर्णायक कार्रवाई आतंकवाद से संबंधित और राष्ट्र–विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने या उनका समर्थन करने वाले सभी व्यक्तियों की पहचान करने और उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की जम्मू–कश्मीर पुलिस की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। जम्मू–कश्मीर पुलिस शहर में शांति, स्थिरता और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के अपने मिशन के प्रति दृढ़ है। जो कोई भी गैरकानूनी या हिंसक गतिविधियों में सहयोग या सहायता करता पाया जाएगा, उसके साथ कानून के तहत सख्ती से निपटा जाएगा।

पुलिस ने कुलगाम में एनडीपीएस अधिनियम के तहत हिरासत में लिए गए ड्रग तस्कर/आपूर्तिकर्ता की संपत्ति कुर्क की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, कुलगाम पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 की धारा 68–एफ के प्रावधानों के तहत, विदो मिशिपोरा निवासी गुलाम रसूल डार पुत्र स्वर्गीय अब्दुल रहमान डार की संपत्ति कुर्क की। उक्त आरोपी कैमोह पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 62/2021, धारा 8/15–29 एनडीपीएस अधिनियम में शामिल है, जिसमें 520 किलोग्राम अफीम का भूसा बरामद किया गया था। वह पहले से ही एनडीपीएस अधिनियम (पीआईटी–एनडीपीएस) में अवैध तस्करी रोकथाम के तहत हिरासत में है और वर्तमान में सेंट्रल जेल कोट भलवाल, जम्मू में बंद है।

कुर्क की गई संपत्ति, जिसका बाजार मूल्य लगभग 61 लाख रुपये है, की पहचान मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित अवैध संपत्ति के रूप में की गई है। स्थानीय निवासियों और कार्यपालक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में, कैमोह थाना पुलिस द्वारा की गई विस्तृत जाँच के बाद, पुलिस दल द्वारा कुर्की आदेश जारी किया गया।

यह कार्रवाई जम्मू–कश्मीर पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जिले में मादक पदार्थों के नेटवर्क को ध्वस्त करना और इसके वित्तपोषण के स्रोतों पर अंकुश लगाना है। स्थानीय लोगों ने मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और समुदाय को मादक पदार्थों के खतरे से बचाने के लिए जम्मू–कश्मीर पुलिस के प्रयासों की सराहना की।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुक. ाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधि. कता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है।

ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांग. लिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने ऊपरी कठुआ का दौरा किया, सेना और सीआरपीएफ के साथ सुरक्षा व्यवस्था एण्की समीक्षा

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : जिले की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए एसएसपी कठुआ मो. हिता शर्मा ने ऊपरी कठुआ क्षेत्र का दौरा किया और सेना, सीआरपीएफ तथा पुलिस अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण सुरक्षा समीक्षा बैठक की।

इस दौरान एसपी (ऑपरेशंस) औमर इकबाल, एसडीपीओ बिलावर नीरज पडयार और ऊपरी कठुआ के अन्य अधिकारी भी उनके साथ रहे। एसएसपी ने बिलावर, रामकोट, नंगल और मछेड़ी क्षेत्रों का व्यापक दौरा किया।

बैठक में घुसपैठ की गतिविधियों, संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही, राष्ट्रविरोधी तत्वों की मौजूदगी, सुरक्षा बलों की तैनाती और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

सेना और सीआरपीएफ अधिकारियों ने अपने–अपने इलाकों में की गई तैयारियों, सर्दियों की रणनीति, घुसपैठ मार्गों और काउंटर–इंसर्जेंसी ऑपरेशनों की जानक. ारी साझा की। एसएसपी ने कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच मजबूत समन्वय जरूरी है ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते नाकाम किया जा सके और क्षेत्र में शांति बनाए रखी जा सके।

दौरे के बाद एसएसपी ने मछेड़ी स्थित एसओजी कैंप का निरीक्षण किया और एसओजी माछेड़ी, दुगैनी, कतली और माछेड़ी चौकी के कर्मियों से मुलाकात की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ओवर ग्राउंड वर्कर्स और उनके सहयोगियों पर सख्त निगरानी रखी जाए।

उन्होंने संवेदनशील इलाकों में नियमित सर्च ऑपरेशन, गश्त और लंबी दूरी की पेट्रोलिंग जारी रखने के निर्देश भी दिए।

एसएसपी ने कहा कि कठुआ पुलिस आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर काम कर रही है और किसी भी राष्ट्रविरोधी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों से सतर्क और सक्रिय रहने की अपील की ताकि जिले में शांति और सुरक्षा बनी रहे।

कठुआ में शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि, पीटीएस में आयोजित हुई स्मृति दिवस परेड

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, सरदार पृथिनंदन सिंह पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय (पीटीएस), कठुआ में मंगलवार स्मृति दिवस परेड का आयोजन किया गया, जिसमें देश की सेवा करते हुए शहीद हुए पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई। यह परेड गंभीरता और गरिमा के साथ सम्पन्न हुई, जिसमें संस्थान के स्टाफ सदस्य और प्रशिक्षु शामिल हुए।

एसएसपी एवं प्रिंसिपल, एसपीएस पीटीएस कठुआ मंजीत कौर (जेकेपीएस) ने स्टाफ और प्रशिक्षुओं के साथ शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सभी उपस्थित जनों ने राष्ट्र की सुरक्षा में बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों को नमन किया और उनके अदम्य साहस एवं कर्तव्यनिष्ठा को याद किया। सभी फोटो लगाने हैं

Helpline

पुलिस स्टेशन

बाग-ए-बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778

सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ

इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315

पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन

बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537

दूरसंचार विभाग

डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896

जम्मू नगर पालिका

जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440

डाक सेवाएँ

मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863

अग्निशमन सेवाएँ

नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026

रसोई गैस डीलर

चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455

पावर हाउस

गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813

अस्पताल

जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739

नर्सिंग होम

मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटिबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटिबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

78वां निरंकारी संत समागम - समालखा में भव्य तैयारियाँ, देश-विदेश से जुटेंगे लाखों श्रद्धालु

31 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक होगा आयोजन, 'आत्ममंथन' रहेगा इस वर्ष का विषय

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, संत निरंकारी मिशन का 78वां वार्षिक संत समागम इस वर्ष 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक हरियाणा के समालखा स्थित निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर आयोजित किया जाएगा। यह भव्य आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में संपन्न होगा।

'आत्ममंथन' विषय पर आधारित यह समागम भक्तों के लिए आत्मिक जागृति और प्रेमभक्ति का एक अद्भुत अवसर बनेगा। समागम की तैयारियाँ जोरों पर हैं और हर ओर सेवा, सिमरन और सत्संग की भावना झलक रही है।

भक्तजन, चाहे वृद्ध हों या युवा, पुरुष हों या महिलाएं कृ सभी समर्पण भाव से सेवा में लगे हैं।

कोई पंडाल सजा रहा है, कोई सफाई कर रहा है, तो कोई भोजन और जल प्रबंधन की व्यवस्था में जुटा है। सभी के चेहरों पर आनंद और भक्ति की झलक दिखाई दे रही है।

देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी लाखों श्रद्धालु इस समागम में भाग लेने पहुंचेंगे। उनके स्वागत और ठहरने की व्यवस्था के लिए निरंक. ारी सेवादल के सदस्य रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और हवाई अड्डों पर सेवा में तत्पर रहेंगे।

जम्मू-कश्मीर में दो हत्या मामलों के सिलसिले में छह गिरफ्तार

जम्मू में दो ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 4 महिलाओं समेत 8 गिरफ्तार

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू पुलिस ने दो बड़े मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है और करोड़ों रुपये की हेरोइन के साथ चार महिलाओं सहित आठ तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक अधिक. ारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर सिंह ने बताया कि अलग–अलग मामलों की जांच के बाद जम्मू के राजीव नगर और आरएस पुरा इलाकों में मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया गया।

इसके साथ ही पिछले कुछ सप्ताह में यहां किरायेदार के रूप में रह रहे पंजाब के कुछ निवासियों सहित 18 से अधिक मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जिससे संगठित अपराध को गहरा झटका लगा है।

उन्होंने बताया कि कुख्यात ड्रग तस्कर विशाल कुमार निवासी राजीव नगर को 275 ग्राम हेरोइन और एक इलेक्ट्रॉनिक वजन तौलने वाली मशीन के साथ गिरफ्तार किया गया।

रीना को गिरफ्तार कर लिया गया और राजीव नगर स्थित उसके घर से 55 ग्राम हेरोइन, वजन तौलने की मशीन और 33,490 रुपये बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि उनकी तीन अन्य महिला सहयोगियों शीतल , पायल और काजल को भी गिरफ्तार कर लिया गया और उनके पास से 13 ग्राम हेरोइन, दो वजन तौलने की मशीनें और 3050 रुपये जब्त किए गए।

सिंह ने बताया कि एक अन्य मादक पदार्थ भंडाफोड़ में तीन मादक पदार्थ तस्करों – पंजाब के इंद्रजीत और विशाल कुमार तथा जगदीश राज को चक से गिरफ्तार किया गया। आरएस पुरा के तालाब इलाके में एक कार से 186 ग्राम हेरोइन जब्त की गई।

पुलिस ने छह लोगों की गिरफ्तारी के साथ यहां दो हत्या के मामलों को सुलझाने का भी दावा किया है।

गिरफ्तार व्यक्तियों में एक परिवार के पांच सदस्य और म्यांमार का एक विदेशी नागरिक शामिल है।

जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जोगिंदर सिंह ने बताया कि 9 अक्टूबर को मीरान साहिब इलाके में एक मामूली मुद्दे पर झगड़े के दौरान नरिंदर सिंह नामक व्यक्ति पर हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

कि पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी तनवीर सिंह और उसके भाई बवनीत सिंह को अपराध के कुछ ही दिनों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। उनके पिता रणजीत सिंह, उनकी पत्नी अमृत कौर और बेटी कंवल बाद में हुई जांच के बाद प्रीत को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

घरों से डोगरा पहचान को मजबूत करना

शाम, मनकोटिया, जोरावर ने डोगरी वीडियो एल्बम डुग्गर दा मान भदायो जारी किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : डोगरी भाषा और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए सामुदायिक भागीदारी को आवश्यक बताते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता और विधायक, जम्मू उत्तर शाम लाल शर्मा, विधायक, चेनानी बलवंत सिंह मनकोटिया और टीम जम्मू के अध्यक्ष जोरावर सिंह जम्वाल ने संयुक्त रूप से रॉयल एस्टेट बैंक्वेट, टोफ शेरखानिया में एक उत्साही सभा के बीच "डुग्गर दा मान भड़ायो" नामक एक नया डोगरी वीडियो एल्बम जारी किया। डुग्गर बारादरी और टीम जम्मू द्वारा निर्मित और प्रस्तुत इस एल्बम में प्रसिद्ध डोगरी कवि बृज मोहन द्वारा लिखे गए गीत, राकेश कुमार और सोहन लाल द्वारा स्वर, नरेश एनबी द्वारा संगीतबद्ध और राजेश खजूरिया द्वारा निर्देशित हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, शाम लाल शर्मा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, रचनात्मक और सांस्कृतिक पहलों के माध्यम से डोगरी संस्कृति को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों के लिए डुग्गर बारादरी और टीम जम्मू की सराहना की। उन्होंने कहा कि समृद्ध डोगरा विरासत एकता और सह–अस्तित्व का प्रतीक है, जो हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों के बीच साझा सांस्कृतिक गौरव का प्रतिनिधित्व करती है। शाम लाल शर्मा ने ज़ोर देकर कहा, ष्जिस तरह पंजाबी ने मज़बूत सांस्कृतिक और कलात्मक समर्थन के ज़रिए अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल की है, उसी तरह डोगरी को भी ईमानदारी और सामूहिक प्रयास से बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपनी मातृभाषा बोलने में गर्व महसूस करने का आग्रह किया। अपने संबोधन में, बलवंत सिंह मनकोटिया ने युवा पीढ़ी में डोगरी के घटते प्रयोग पर चिंता व्यक्त की और इसके लिए पश्चिमी संस्कृति के बढ़ते प्रभाव को ज़िम्मेदार ठहराया। उन्होंने आगाह किया कि यह अरुचि डोगरा पहचान को नष्ट कर सकती है और इस बात पर ज़ोर दिया कि शैक्षणिक संस्थानों को छात्रों में भाषाई गौरव की भावना जगाने के लिए डोगरी को अपने पाठ्यक्रम में शामिल करने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। ज़ोरावर सिंह जामवाल ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए डोगरी भाषा की जीवंतता को पुनर्जीवित करने के लिए बुद्धिजीवियों, कलाकारों और सामुदायिक समूहों से सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, ष्अपनी मातृभाषा को बचाए रखने की बात करना आसान है, लेकिन वास्तविक प्रगति सामूहिक कार्रवाई की माँग करती है।ष उन्होंने आगे कहा, ष्अंग्रेज़ी ज़रूरी है, लेकिन डोगरा लोगों को अपनी भाषा बोलने में कभी झिझक महसूस नहीं करनी चाहिए। अगर दूसरे क्षेत्रों के लोग गर्व से अपनी मातृभाषा का इस्तेमाल करते हैं, तो हम क्यों नहीं करें? इस अवसर पर शहीद कैप्टन तुषार महाजन (शौर्य चक्र), कैप्टन वीर उदयमान सिंह (सेना मेडल) और मेजर आक. ाश सिंह (शौर्य चक्र) के परिवार भी उपस्थित थे।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने 11 उप-न्यायाधीशों की जिला न्यायाधीश के रूप में तदर्थ नियुक्ति को मंजूरी दी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर सरकार ने शुक्रवार को जम्मू–कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय की सिफारिशों के बाद ग्यारह उप–न्यायाधीशों की जिला न्यायाधीश (प्रवेश स्तर) के रूप में तदर्थ नियुक्ति को मंजूरी दे दी।

कानून, न्याय और संसदीय मामलों के विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश संख्या 15108–जेके (एलडी) 2025 के अनुसार, नियुक्तियां जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायिक सेवा नियम, 2009 के नियम 20 के अनुसार की गई हैं। तदर्थ आधार पर जिला न्यायाधीश (प्रवेश स्तर) के रूप में नियुक्त न्यायिक अधिकारियों में शामिल हैंरू श्री मीर वजाहत, श्री आदिल मुश्ताक, सुश्री फोजिया पॉल, सुश्री मेहरीन मुश्ताक, श्री फिरोज अहमद खान, श्री इमरान हुसैन वानी, सुश्री प्रीत सिमरन कौर, श्री फैयाज अहमद कुरैशी, श्री उमेश शर्मा और श्री शेख गौहर हुसैन।

आदेश में कहा गया है कि नियुक्तियां जम्मू–कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल की सिफारिशों के आधार पर की गई थीं, जैसा कि पत्र संख्या 63581/आरजी/जीएस दिनांक 06–10–2025 के माध्यम से सूचित किया गया था।

तदर्थ नियुक्तियां प्रक्रियागत अनुपालन और न्यायिक दक्षता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों के अधीन हैं।

विरासत की यात्रा : युवा पर्यटन क्लब, बीसीए, एसएमवीडीयू ने बसोहली पहाड़ियों की यात्रा की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के युवा पर्यटन क्लब ने डॉ. वी.के. डोगरा (सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष), डॉ. राकेश कुमार (अध्यक्ष, सांस्कृतिक गति. विधियाँ बोर्ड) और डॉ. राहुल शर्मा (उपाध्यक्ष, सांस्कृतिक गतिविधियाँ बोर्ड) के मार्गदर्शन में बसोहली महोत्सव 2025 के लिए बसोहली पहाड़ियों की दो दिवसीय समृद्ध यात्रा का आयोजन किया। सुश्री शताक्षी तिवारी (समन्वयक, युवा पर्यटन क्लब, एसएमवीडीयू) और श्री अभिषेक राज (सह–समन्वयक, युवा पर्यटन क्लब, एसएमवीडीयू) द्वारा समन्वित, यह यात्रा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), जम्मू और कश्मीर के निमंत्रण पर हुई। यात्रा की शुरुआत जम्मू के सुरम्य परिदृश्यों से होते हुए कठुआ और बिलावर से होते हुए एक सुंदर सवारी के साथ हुई, जहाँ छात्रों ने क्षेत्र के सबसे बड़े जलाशयों में से एक, रंजीत सागर बांध के मनमोहक दृश्यों का आनंद लिया। बसोहली पहुँचने पर, समूह का स्वागत जीवंत सांस्कृ तिक प्रदर्शनों, पारंपरिक संगीत और रावी नदी पर एक शांत शाम की आरती के साथ किया गया, जिसके बाद एक नुक्कड़ नाटक और भव्य रामलीला हुई, जिसमें कुछ विश्वविद्यालय के छात्रों ने प्रस्तुति दी।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

विधायक अरविंद गुप्ता ने किया क्रिसमस कप 2025 का शुभारंभ

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक अरविंद गुप्ता ने बख्शी नगर स्थित क्रिश्चियन कॉलोनी के युवाओं द्वारा आयोजित क्रिसमस कप 2025 का शुभारंभ किया। यह प्रतियोगिता खेल सामुदायिक एकता और त्योहार की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई है जिसमें स्थानीय युवाओं और खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस रोमांचक प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया है जो खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। टूर्नामेंट का फाइनल मैच 15 दिसंबर 2025 को खेला जाएगा जो एक रोमांचक समापन का गवाह बनेगा।

उद्घाटन समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे जिनमें एसडीपीओ बख्शी नगर सतीश भारद्वाज डीएसपी शेखर कालू वरिष्ठ नेता अतुल बख्शी इंद्रेश गुप्ता अजय आनंद और हरदेव शामिल थे। इन नेताओं की उपस्थिति ने युवाओं द्वारा संचालित इस पहल को मजबूत सामुदायिक समर्थन का प्रतीक बनाया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अरविंद गुप्ता ने आयोजकों की सराहना की और कहा कि युवाओं की इस पहल से न केवल खेल भावना को बल मिलता है बल्कि समाज में एकता और सहयोग की भावना भी प्रबल होती है। उन्होंने कहा यह देखकर हर्ष होता है कि हमारे युवा इस प्रकार के आयोजन कर रहे हैं जो न केवल खेलों को बढ़ावा देते हैं बल्कि आपसी सौहार्द और समुदायिक जुड़ाव को भी मजबूत करते हैं। इस तरह की गतिविधियाँ युवाओं में प्रतिभा अनुशासन और टीम भावना का विकास करती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि खेल किसी भी स्वस्थ और सशक्त समाज की नींव होते हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने नेतृत्व क्षमता विकसित करने और धैर्य व निष्पक्ष खेल की भावना सीखने का अवसर मिलता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन खिलाड़ियों में से कई भविष्य में अपने–अपने क्षेत्रों में बड़ी सफलता प्राप्त करेंगे उन्होंने जोड़ा।

कार्यक्रम के अंत में विधायक अरविंद गुप्ता ने आयोजकों और समुदाय का धन्यवाद करते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहें खेल और शिक्षा दोनों में उत्कृष्टता प्राप्त करें तथा समाज में एकता और सौहार्द बनाए रखें।

क्रिसमस कप 2025 के शुभारंभ ने बख्शी नगर की क्रिश्चियन कॉलोनी के युवाओं की ऊर्जा उत्साह और प्रतिभा का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया और क्षेत्र में खेल भावना का नया उत्सव आरंभ किया।

एनएमसी ने 2024-25 के लिए 10,650 नई एमबीबीएस सीटों और 41 नए मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। स्वतंत्रता दिवस 2024 पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पांच वर्षों में 75,000 नई मेडिकल सीटें सृजित करने के संकल्प के अनुरूप, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने शैक्षणिक वर्ष 2024–25 के लिए 10,650 नई एमबीबीएस सीटों को मंजूरी दी है।

यह वृद्धि भारत में चिकित्सा शिक्षा की उपलब्धता बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

41 नए मेडिकल कॉलेजों के जुड़ने से देश में चिकित्सा संस्थानों की कुल संख्या 816 हो गई है। एनएमसी प्रमुख डॉ. अभिजात के अनुसार शेठ के अनुसार , स्नातक (यूजी) सीटों के विस्तार के लिए प्राप्त 170 आवे. दनों में से, जिनमें 41 सरकारी कॉलेजों से और 129 निजी संस्थानों से हैं, कुल 10,650 एमबीबीएस सीटों को मंजूरी दी गई है। इससे शैक्षणिक वर्ष 2024–25 के लिए कुल एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़कर 1,37,600 हो जाएगी, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (आईएनआई) की सीटें भी शामिल हैं। स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों के लिए, एनएमसी को नई और नवीनीकृत सीटों के लिए 3,500 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। डॉ. शेठ ने बताया कि आयोग को लगभग 5,000 पीजी सीटों की वृद्धि की उम्मीद है, जिससे देश भर में कुल पीजी सीटों की संख्या 67,000 हो जाएगी। इस वर्ष यूजी और पीजी दोनों सीटों में कुल वृद्धि लगभग 15,000 होगी।

यद्यपि अंतिम अनुमोदन प्रक्रिया और परामर्श में कुछ देरी हुई है, फिर भी अधिकारियों ने आश्वा. सन दिया है कि ये प्रक्रियाएं निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएंगी।

आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए मान्यता, परीक्षाओं और सीट मैट्रिक्स अनुमोदन की विस्तृत रूपरेखा जल्द ही प्रकाशित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, 2025–26 के लिए आवेदन पोर्टल नवंबर की शुरुआत में खुलने वाला है।

विशेष रूप से, डॉ. शेठ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस वर्ष हाल के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड (एमएआरबी) के निर्णयों के खिलाफ सभी अपीलें बिना किसी अदालती हस्तक्षेप के हल कर दी गईं।

वैष्णो देवी ट्रैक पर अनाधिकृत सेवाएं चलाने के लिए टट्टू संचालक पर मामला दर्ज

सबका जम्मू कश्मीर

रियासी : रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों के ऊपर माता वैष्णो देवी मंदिर की ओर जाने वाले ट्रैक पर बिना वैध लाइसेंस के टट्टू चलाने के आरोप में रविवार को एक टट्टू संचालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि नियमित गश्त के दौरान पुलिस दल ने बाणगंगा के निकट एक व्यक्ति को टट्टू ढोने का काम करते देखा और उसे जांच के लिए रोका। उन्होंने बताया कि व्यक्ति ने अपनी पहचान उधमपुर के पंजर–पंचारी निवासी बिल्लू राम के रूप में बताई है ।

प्रवक्ता ने बताया कि जब उससे टट्टू वाहक के रूप में काम करने के लिए वैध लाइसेंस या प्राधिकरण दिखाने के लिए कहा गया तो वह ऐसा कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। प्रवक्ता ने बताया कि उसने स्वीकार किया कि उसके पास अधिकृत या पंजीकृत टट्टू सेवा कार्ड नहीं है और वह अवैध रूप से काम कर रहा था, यह मानते हुए कि उससे पूछताछ नहीं की जाएगी।

कश्मीरी पंडितों की दुर्दशा की अनदेखी, राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल : जम्मू-कश्मीर भाजपा नेता ने पार्टी की आलोचना की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : असंतुष्ट भाजपा नेता जहांजैब ने अपनी पार्टी पर विस्थापित कश्मीरी पंडितों का 'राजनीतिक लाभ' के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। सिरवाल ने रविवार को पार्टी नेतृत्व से समुदाय के साथ हो रहे ष्लंबे समय से हो रहे अन्यायष् को दूर करने के लिए सार्थक कदम उठाने का आह्वान किया।

भाजपा के सबसे अडिग, लेकिन अवैतनिक, अस्वीकृत और अस्वीकृत प्रचारकों में से एक रहा है। भाजपा नेतृत्व ने राजनीतिक लाभ के लिए संसद में 500 से ज़्यादा बार उनकी पीड़ा का ज़िक्र किया है और हर राजनीतिक विरोधी के ख़िलाफ़ एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है।ष्

ष्मैं पार्टी नेतृत्व से आग्रह करता हूँ कि (कश्मीरी पंडित समुदाय के साथ) लंबे समय से हो रहे अन्याय को दूर करने के लिए निर्णायक और सार्थक कदम उठाएँ। वे प्रतीकात्मक इशारों या संसदीय बहसों में बार–बार ज़िक्र से कहीं ज़्यादा के हक़दार हैं।ष्

इससे पहले, 3 अक्टूबर को, सिरवाल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुसलमानों के खिलाफ ष्अस्वीकार्यष् टिप्पणी और अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति राज्य पुलिस के ष्प्रतिशोधीष् रवैये का हवाला देते हुए पार्टी से इस्तीफा देने की धमकी दी थी। भाजपा नेता ने कहा कि नेतृत्व को ऐसी नीतियों को प्राथमिकता देनी चाहिए जो कश्मीरी पंडितों की उनकी मातृभूमि में सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करें , उनके अधिकारों को बहाल करें और उन्हें वह सुरक्षा और अवसर प्रदान करें जिनसे वे लंबे समय से वंचित हैं। सिरवाल ने यहां एक बयान में कहा , ष्वे ठोस कार्रवाई के हकदार हैं, जिसकी शुरुआत वरिष्ठ नेताओं द्वारा उनके शिविरों का दौरा करके उनके संघर्षों को प्रत्यक्ष रूप से देखने से हो, उसके बाद समुदाय के प्रतिनिधियों, जिनमें उनमें से कुछ पार्टी सदस्य भी शामिल हों, के साथ समावेशी परामर्श किया जाए, ताकि उनके सम्मानजनक पुनर्वास के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया जा सके।ष्

उन्होंने कहा कि वे समुदाय की दुर्दशा पर ध्यान देने के लिए बाध्य हैं, यह गहन चिंता का विषय है तथा इस पर तत्काल ध्यान देने और कार्रवाई करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री या गृह मंत्री सहित शीर्ष नेतृत्व ने एक बार भी उनके शिविरों का दौरा नहीं किया और उनकी दयनीय स्थिति को नहीं देखा।

सिरवाल ने कहा कि उनके शिविरों की स्थिति, जिनमें उचित आवास, स्वास्थ्य सेवा और आर्थिक तथा सामाजिक पुनर्एकीकरण के अवसरों का अभाव है, तीन दशकों से जारी "मानवीय संकट का समाधान करने में विफलता" को दर्शाती है।

पंडितों के पलायन को एक ष्गंभीर मानवीय त्रासदीष् बताते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है।

सिरवाल ने बयान में कहा, ष्परिवारों को उनके घरों से अलग कर दिया गया, उनकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को उखाड़ फेंका गया, और उन्हें अपने ही देश में निर्वासित जीवन जीने के लिए मजबूर किया गया, जहां उन्हें अपर्याप्त सुविधाओं और उपेक्षा से ग्रस्त शिविरों में दशकों तक कष्ट सहना पड़ा।ष्

उन्होंने समुदाय की शिकायतों को दूर करने या उनके पुनर्वास की दिशा में काम करने के लिए उनके साथ ष्सार्थक विचार–विमर्शष् के अभाव की निंदा की।

उन्होंने आरोप लगाया, ष्सगाई की यह कमी, राजनीतिक बयानबाजी में उनकी दुर्दशा का बार–बार उल्लेख करने के बिल्कुल विपरीत है, जो अक्सर वास्तविक कार्रवाई के आह्वान के बजाय चुनावी लाभ के साधन के रूप में काम करती है।ष्

भाजपा नेता ने कहा कि समुदाय का दुख, जम्मू–कश्मीर में उनकी सुरक्षित वापसी और पुनर्वास के लिए ईमानदार बातचीत या ठोस योजनाओं के अभाव के कारण और बढ़ गया है।

सिरवाल ने कहा, ष्यह उपेक्षा न केवल उस समुदाय के प्रति अन्याय है, जो भारी कठिनाइयों के बावजूद पार्टी के साथ खड़ा रहा है, बल्कि यह न्याय, समावेशिता और करुणा के सिद्धांतों को भी कमजोर करता है, जिन्हें कायम रखने का दावा भाजपा करती है।

पंडितों की वैध मांगों को गंभीरता और तत्परता के साथ सुनकर सभी समुदायों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने का अवसर है।

उन्होंने कहा, ष्मुझे उम्मीद है कि पार्टी इस क्षण पर खरी उतरेगी, बयानबाजी से आगे बढ़कर उस समुदाय को न्याय और सम्मान दिलाएगी, जो लंबे समय से चुपचाप पीड़ा झेल रहा है।

नगरी में बुलेट सवारों का आतंक, साइलेंसर की पटाखा ध्वनि ने बढ़ाई चिंता

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी । अगर बात ट्रैफिक नियमों की हो तो पुलिस समय–समय पर नाके लगाकर नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करती जरूर दिखाई देती है, लेकिन कस्बा नगरी में हाल के दिनों में एक और गंभीर समस्या ने सिर उठा लिया है। यहां बुलेट मोटरसाइकिल सवार युवक, विशेषकर शाम के समय, अपनी बुलेट से जानबूझकर ऐसी आवाजें निकालते हैं जो किसी पटाखे जैसी प्रतीत होती हैं।

नगरी–कठुआ रोड हो या नगरी–बमियाल रोड, दोनों ओर रोजाना शाम होते ही बुलेट सवार युवकों की टोली तेज आवाजें करते हुए दौड़ लगाती है। ये आवाजें केवल कानों को नहीं चुभतीं, बल्कि दिल के मरीजों और बुजुर्ग राहग. ीरों के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बुलेट के साइलेंसर में जानबूझकर बदलाव (मॉडिफिकेशन) करके ऐसी आवाजें निकाली जाती हैं, जो नियमों के स्पष्ट उल्लंघन के दायरे में आती हैं। इसके बावजूद नगरी चौकी प्रशासन की ओर से अब तक कोई सख्त कार्रवाई देखने को नहीं मिली है। हैरानी की बात यह है कि नगरी चौकी क्षेत्र में गूँद नाका और नरोट की ओर जाने वाले टोल पोस्ट पर नियमित रूप से वाहनों की जांच होती है, लेकिन इन तेज आवाज़ करने वाले मोटरसाइकिल सवारों पर कोई शिकंजा नहीं कसा गया है।

प्रशासन की इस उदासीनता पर स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इन पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या कारण है कि ट्रैफिक नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं?

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे बुलेट सवारों के खिलाफ जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि ध्वनि प्रदूषण पर लगाम लगाई जा सके और आमजन को राहत मिल सके।

स्नेह और विश्वास का प्रतीक 'भाई दूज' उत्साह के साथ मनाया गया, बाजारों में रही जबरदस्त रौनक

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी/कठुआ। गुरुवार को देशभर में भाई–बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक पर्व भाई दूज उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और सुख–समृद्धि की कामना की। वहीं, भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार देकर उनके स्नेह और सम्मान को और प्रगाढ़ किया।

त्योहार को लेकर सुबह से ही बाजारों में खासा उत्साह देखने को मिला। मिठाई और उपहार की दुकानों पर भीड़ उमड़ी रही। बहनों ने अपने भाइयों के लिए फल, मिठाई और उपहार खरीदकर त्यौहार की तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

युवा स्वयंसेवकों ने निभाई पारंपरिक रस्में, डॉ. दिनेश गुप्ता के मार्गदर्शन में बुजुर्गों ने महसूस की परिवार जैसी गर्माहट

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू, भाई–बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व भाई दूज गुरुवार को अंबफल्ला स्थित वृद्ध आश्रम में भावनाओं और अपनत्व के साथ मनाया गया। कार्यक्रम ने आश्रम के माहौल को पारिवारिक गर्मजोशी और उत्साह से भर दिया, यह संदेश देते हुए कि स्नेह और प्रेम की कोई आयु सीमा नहीं होती। आयोजन वृद्ध आश्रम के सचिव डॉ. दिनेश गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उन्होंने पूरे कार्यक्रम की देखरेख करते हुए सुनिश्चित किया कि हर बुजुर्ग तक त्योहार की खुशी पहुँचे। उनके समर्पण ने कार्यक्रम में मानवीयता और संवेदना का विशेष रंग भर दिया। कार्यक्रम में युवा स्वयंसेवकों और शुभचिंतकों ने पारंपरिक तिलक रस्म निभाई, राखी बाँधी और मिठाइयाँ वितरित कीं। इस स्नेहपूर्ण पहल ने बुजुर्गों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी और उन्हें पुराने पारिवारिक पलों की यादों में ले गया। भावुक क्षण उस समय सामने आए जब कई बुजुर्ग अपनी बीती यादों में खो गएक्रजब वे अपने भाइयों और बहनों के साथ भाई दूज का त्योहार मनाया करते थे। युवाआ. ें के आत्मीय व्यवहार ने पीढ़ियों के बीच एक पुल का निर्माण किया, जो करुणा और प्रेम से भरा था। डॉ. गुप्ता ने कहा कि "भाई दूज जैसे त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि ये हमारे भीतर देखभाल, सम्मान और पारिवारिक जुड़ाव की भावना को जीवित रखते हैं। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि समाज के रूप में बुजुर्गों के प्रति हमारा स्नेह और सम्मान कभी कम नहीं होना चाहिए।" कार्यक्रम का समापन मिठाइयों और जलपान वितरण के साथ हुआ, जिसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और संवादों ने पूरे वातावरण को उल्लास और अपनत्व से भर दिया।

धन्वंतरि जयंती पर जिला आयुष कार्यालय कठुआ में हुआ भव्य आयोजन

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ। धन्वंतरि जयंती के पावन अवसर पर जिला आयुष कार्यालय कठुआ में रविवार को भव्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत भगवान धन्वंतरि की विधिवत पूजा–अर्चना और हवन से हुई, जिसका नेतृत्व जिला आयुष अधिकारी डॉ. राकेश कुमार ने किया। इस धार्मिक आयोजन में मेडिकल ऑफिसर डॉ. देशराज, डॉ. बोध पॉल, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. नित्तन शर्मा, डॉ. यश पॉल सहित विभाग के अन्य कर्मचारीगण भी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य आयुर्वेद के आराध्य देव भगवान धन्वंतरि की आराधना कर जनस्वास्थ्य, सुख–समृद्धि और आरोग्य की कामना करना था। अंत में प्रसाद वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ, जहां सभी ने मिलकर जनकल्याण की कामना की।

पहली जम्मू–कश्मीर अंडर–19 राज्य टेनिस क्रिकेट चौंपियनशिप 2025 का भव्य आगाज़ एमए स्टेडियम, जम्मू में

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू के ऐतिहासिक एमए स्टेडियम में गुरुवार को पहली जम्मू–कश्मीर अंडर–19 राज्य टेनिस क्रिकेट चौंपियनशिप 2025 का भव्य उद्घाटन हुआ। यह दो दिवसीय प्रतियोगिता 23 और 24 अक्टूबर तक चलेगी।

इस खास मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे तरुण उप्पल ने चौंपियनशिप का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में जम्मू–कश्मीर के विभिन्न जिलों से आए युवा खिलाड़ियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। मैदान में जोश और उत्साह का माहौल देखने लायक था।

इस आयोजन को सफल बनाने में जम्मू–कश्मीर टी–10 टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन के महासचिव सुनील कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समारोह में विशेष अतिथि के रूप में दिव्यांश बाबा और वकील सिंह भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे सांबा जिला टेनिस क्रिकेट संघ के सचिव संत कुमार ने कहा कि यह आयोजन युवाओं को अपने खेल कौशल दिखाने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा और टेनिस क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। चौंपियनशिप का उद्देश्य राज्य के उभरते क्रिकेट खिलाड़ियों को पहचान देना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच. ाने का मंच उपलब्ध कराना है। टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी आने वाली राष्ट्रीय टेनिस क्रिकेट चौंपियनशिप में जम्मू–कश्मीर का प्रतिनिधित्व करेंगे।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर
"पत्रकारों की आवश्यकता"
'सबका जम्मू कश्मीर' हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र
के लिए जम्मू कश्मीर के सभी जिला के लिए पत्रकारों की आवश्यकता है इच्छुक पत्रकार संपर्क करें
योग्यता:
- पत्रकारिता में अनुभव
- उत्कृष्ट लेखन और संपादन कौशल
- सोशल मीडिया घराने में काम करने का अनुभव
अपना बायोडाटा ई.मेल करें
sabkajammukashmir@gmail.com
संपर्क नंबर :
6005134383

सबका जम्मू कश्मीर
नाम परिवर्तन, तहसीलदार नोटिस, शोक सदेंश, गुमशुदा सूचना, बेदखली, हुडा नोटिस, वैवाहिक, सार्वजनिक सूचना इत्यादि विज्ञापन
MOB:- +91 60051-34383, +91 87170 07205

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

फ्रेंड्स वेलफेयर सोसाइटी ने गुलचौन सिंह चरक के योगदान को याद किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : फ्रेंड्स वेलफेयर सोसाइटी ने जम्मू–कश्मीर के पूर्व कैबिनेट मंत्री गुलचौन सिंह चरक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और उनकी दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आर.एल. कैथ ने कहा, ष्इस अनुभवी राजनेता के निधन से क्षेत्र के राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य में एक अमिट रिक्तता आ गई है। उन्होंने जन कल्याण के लिए उनके अथक प्रयासों, जनसेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और जम्मू–कश्मीर के विकास में उनके योगदान को याद किया। वंचितों और वंचितों के लिए उनके निस्वार्थ समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा। फ्रेंड्स वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों ने गुलचौन सिंह चरक की पुण्य आत्मा को अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा।

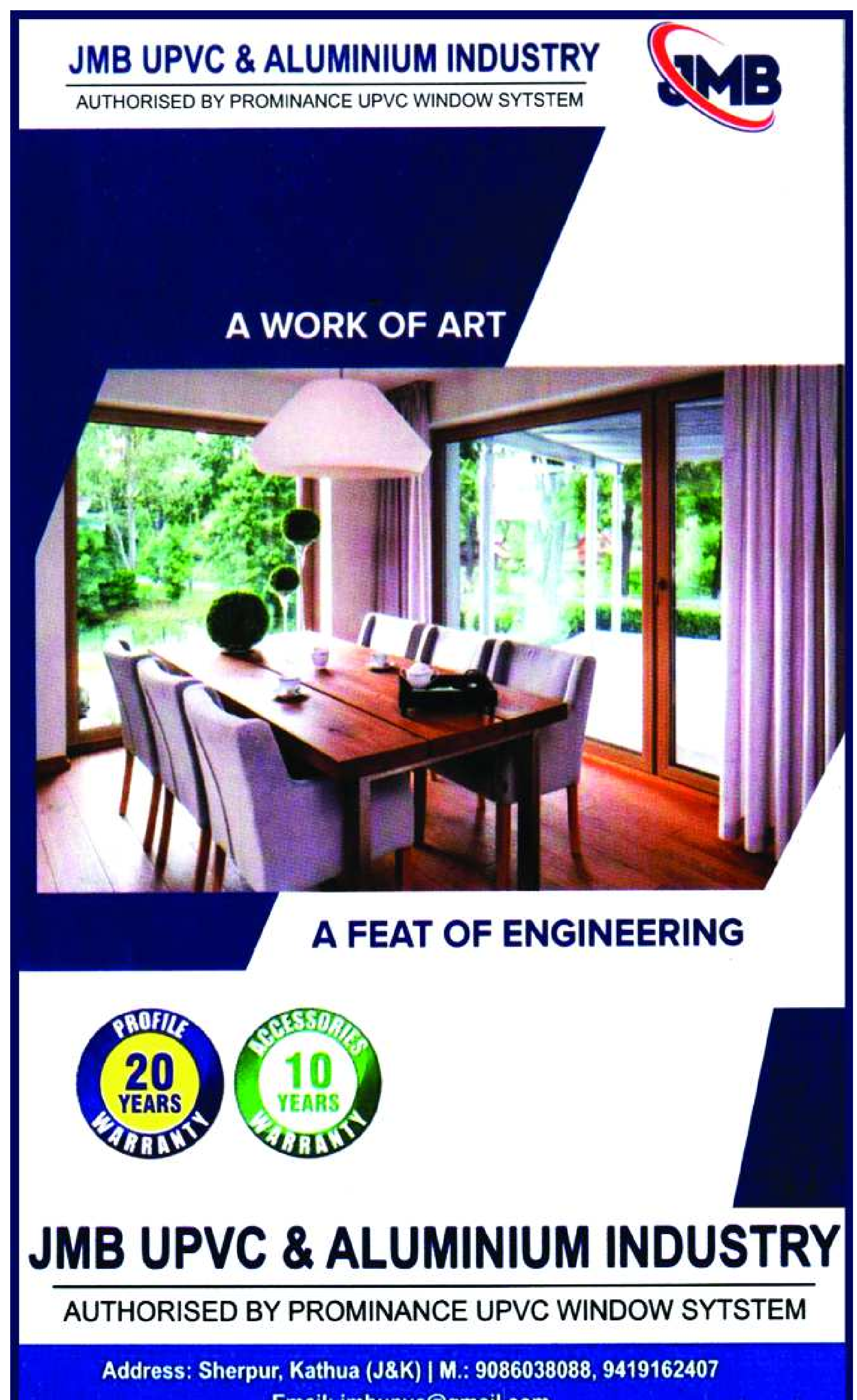

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 | संपादकः राज कुमार